संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-20 अंक- 351
पृष्ठ 8
गुरुवार
12 सितम्बर 2024
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- सपने में नई नौकरी लगना...

विचार- जम्मू-कश्मीर चुनावों के अनेक...

खेल- युजवेंद्र चहल ने काउंटी क्रिकेट में...

सेमीकंडक्टर विनिर्माण में 1.5 लाख करोड़ का निवेश, पाइपलाइन में कई परियोजनाएं : मोदी

● भारत में अब डेटा सेंटर की मांग लगातार बढ़ रही है

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चिप विशेषकर सेमीकंडक्टर को लेकर दुनिया से 21वीं सदी में भारत पर भरोसा करने की अपील करते हुए बुधवार को कहा कि इस क्षेत्र की वैश्विक कंपनियों के लिए देश में आने का यह सही समय हैं क्योंकि इस उद्योग में अब तक 1.5 लाख करोड़ रुपए का निवेश आ चुका है और कई परियोजनाएं पाइप लाइन में है। श्री मोदी ने इलेक्ट्रॉनिक्स एंड सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में सेमिकॉन इंडिया 2024 का शुभारंभ करते हुए कहा ''हमारा सपना दुनिया के हर डिवाइस में भारतीय निर्मित चिप का है। भारत का इलेक्ट्रॉनिक क्षेत्र का आकार दशक के अंत तक 150 अरब डॉलर से बढ़ाकर 500 अरब डॉलर करने का लक्ष्य है।'' उन्होंने कहा कि हम एक ऐसी दुनिया बनाना चाहते हैं, जो संकट के समय में भी रूके नहीं, ठहरे नहीं, निरंतर चलती रहे। भारत में सेमीकंडक्टर विनिर्माण इकाई लगाने के लिए 50 प्रतिशत समर्थन भारत सरकार दे रही है। इसमें राज्य सरकारें भी अपने स्तर पर और मदद कर रही हैं। भारत की नीतियों के कारण ही बहुत कम समय में 150 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा का निवेश इस क्षेत्र में हो चुका है। उन्होंने कहा ''भारत के लिए 'चिप' सिर्फ़ सेमीकंडक्टर सेक्टर तक सीमित नहीं है। हमारे लिए यह करोड़ों आकांक्षाओं को पूरा करने का ज़रिया है। आज भारत चिप्स के सबसे बड़े उपभोक्ताओं में से एक है। भारत ने चिप्स का इस्तेमाल करके दुनिया का सबसे बड़ा डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर बनाया है; इन चिप्स की वजह से हम अपनी पहलों को अंतिम छोर तक पहुँचाने में सक्षम हुए हैं।'' उन्होंने कहा कि यूपीआई , रूपे कार्ड, डिजीलॉकर और डिजी यात्रा जैसे कई डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म अब लोगों की रोज़मर्रा की ज़िंदगी का हिस्सा बन गए हैं। भारत में अब डेटा सेंटर की मांग लगातार बढ़ रही है। भारत वैश्विक सेमीकंडक्टर उद्योग का नेतृत्व करने में बहुत बड़ी भूमिका निभाने जा रहा है।

दस साल में हुए कठोर हमलों से उबरने लगा है भारतीय लोकतंत्र : राहुल

वाशिंगटन–डीसी, एजेंसी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने मोदी सरकार पर सीधा हमला करते हुए कहा है कि पिछले दस वर्ष के दौरान भारतीय लोकतंत्र पर उसने जो हमले किए हैं उससे हमारा लोकतंत्र कमजोर हुआ है लेकिन अब धीरे धीरे उबरने लगा है। श्री गांधी ने यहां मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि भारतीय लोकतंत्र पर पिछले 10 वर्षों के दौरान जो हमले हुए हैं उससे हमारा लोकतंत्र बहुत कमजोर हुआ है लेकिन अब स्थिति बदलने लगी है और लोकतंत्र फिर पहले की स्थिति में लौटने लगा है। उन्होंने कहा ष्पिछले दस वर्षों में भारतीय लोकतंत्र पर हमले हो रहे हैं और इसे बहुत कमजोर कर दिया गया है लेकिन अब यह पहले की स्थिति में लौट रहा है। मुझे विश्वास है कि लोकतंत्र पर हो रहे हमले पर भारत जवाबी कार्रवाई करेगा।'' मोदी सरकार पर अपने तथा कांग्रेस पार्टी के साथ कठोर व्यवहार करने का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा ''चुनाव से ठीक पहले हमारे बैंक खाते सील किए गए और हमने अपने बैंक खातों पर रोक लगने के बाद भी चुनाव लड़ा। मैं ऐसे किसी लोकतंत्र के बारे में नहीं जानता जहां ऐसा होता हो। चुनाव के दौरान, हमारे कोषाध्यक्ष ने कहा कि हमारे पास कोई पैसा नहीं है। भारतीय इतिहास में मानहानि के मामले में जेल की सजा पाने वाला मैं एकमात्र व्यक्ति हूं, मेरे खिलाफ 20 मामले हैं। हमारे पास एक मुख्यमंत्री हैं जो अभी जेल में हैं।'' श्री गांधी ने महिलाओं को लेकर कहा ष्मैं सोचता हूं कि पुरुषों की तुलना में महिलाएं नेतृत्व के लिए ज्यादा उपयुक्त हैं। वे अधिक संवेदनशील होती हैं और उनका दीर्घकालिक दृष्टिकोण होता है।

ललितपुर में आकाशीय बिजली की चपेट में आने से तीन लोगों की मौत

ललितपुर, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के बुंदेलखंड स्थित ललितपुर जिले के एक गांव में मंगलवार शाम को आकाशीय बिजली की चपेट में आने से खेत में फसल काट रही दो महिलाओं और एक पुरुष समेत तीन लोगों की मौत हो गई। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। ललितपुर के अपर पुलिस अधीक्षक (एएसपी) अनिल कुमार ने पीटीआई– को बताया कि सदर कोतवाली क्षेत्र में बिरधा कस्बे के छैघरा गांव के नजदीक मंगलवार की शाम करीब चार बजे कुछ किसान उड़द की फसल काट रहे थे, तभी तेज बारिश के दौरान गिरी आकाशीय बिजली की चपेट में आने सेतीन महिलाएं और एक पुरुष किसान गंभीर रूप से झुलस गए। उन्होंने बताया कि आकाशीय बिजली से झुलसकर महिला किसान जशोदा साहू (48), राजकुमारी साहू (35) और राजेश साहू (38) की मौके पर ही मौत हो गई है, जबकि राजेश साहू की पत्नी सीमा साहू (35) की हालत गंभीर बनी हुई है। उसे इलाज के लिए सरकारी अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। एएसपी ने बताया कि तीनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर घटना की सूचना राजस्व अधिकारियों को दे दी गई है,

सीमा क्षेत्र विकास सम्मेलन को राजनाथ ने किया संबोधित, बोले-

सीमा क्षेत्रों के विकास के लिए हमारी सरकार प्रतिबद्ध

नई दिल्ली, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सीमा क्षेत्र विकास सम्मेलन को संबोधित किया। अपने संबोधन में राजनाथ सिंह ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में हमने सीमा सड़क संगठन के साथ मिलकर सीमावर्ती क्षेत्रों में साढ़े आठ हजार किलोमीटर से अधिक सड़कें बनाई हैं। इसके अलावा अगर मैं पुलों की बात करूं तो इन वर्षों में हमने लगभग चार सौ स्थायी पुलों का निर्माण किया है। उन्होंने कहा कि अटल टनल हो या सेला टनल, या शिकू–ला टनल जो दुनिया की सबसे ऊंची टनल बनने जा रही है, ये सभी सीमा क्षेत्र के विकास में मील का पत्थर साबित होंगी। राजनाथ सिंह ने कहा कि सीमा क्षेत्र के विकास के लिए, हमारी सरकार ने 220 किलो–वोल्ट श्रीनगर–लेह बिजली लाइन का संचालन किया है, जिसके कारण लद्दाख के सीमावर्ती क्षेत्र राष्ट्रीय विद्युत ग्रिड से जुड़ गए हैं। उन्होंने कहा कि सीमावर्ती क्षेत्रों में सड़कों और पुलों का एक नेटवर्क बनाकर, हम हमने न केवल इन संवेदनशील क्षेत्रों में त्वरित सैन्य तैनाती सुनिश्चित की है, बल्कि हमने यह भी सुनिश्चित किया है कि इन सड़कों के माध्यम से, सीमावर्ती क्षेत्रों में रहने वाले लोग देश की बाकी आबादी से आसानी से जुड़ सकें। रक्षा मंत्री ने कहा कि 2020 से 2023 तक लद्दाख, सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश में पर्यटन 30: बढ़ गया है। पिछले कुछ वर्षों में कश्मीर में पर्यटन में भी वृद्धि देखी गई है। उन्होंने कहा कि इससे रोजगार सृजन और स्थानीय अर्थव्यवस्था में सुधार लाने में मदद मिली है। जब सीमावर्ती क्षेत्रों में आर्थिक विकास होगा तो हमें रिवर्स माइग्रेशन सहित कई सकारात्मक परिणाम देखने को मिलेंगे।

देश को तोड़ने वाली ताकतों के साथ खड़े होना राहुल–कांग्रेस पार्टी की आदत : शाह

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)के वरिष्ठ नेता अमित शाह ने विदेशी धरती पर दिए बयानों को लेकर बुधवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तीखा प्रहरा किया और कहा कि देश को तोड़ने वाली ताकतों के साथ खड़े होना श्री गांधी और कांग्रेस पार्टी की आदत बन गयी है। श्री शाह ने कहा, "देश विरोधी बातें करना और देश को तोड़ने वाली ताकतों के साथ खड़े होना श्री गांधी और कांग्रेस पार्टी की आदत सी बन गई है। चाहे जम्मू–कश्मीर में जम्मू–कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस (जेकेएनसी) के देश विरोधी और आरक्षण विरोधी एजेंडे का समर्थन करना हो या फिर विदेशी मंचों पर भारत विरोधी बातें करनी हो, श्री गांधी ने हमेशा देश की सुरक्षा और भावना को आहत किया है।" उन्होंने कहा कि भाषा से भाषा, क्षेत्र से क्षेत्र और धर्म से धर्म में भेदभाव लाने की बात करना श्री गांधी की विभाजनकारी सोच को दर्शाता है। उन्होंने कहा, "गांधी ने देश से आरक्षण को समाप्त करने की बात कहकर कांग्रेस का आरक्षण विरोधी चेहरा एक बार फिर से देश के सामने लाने का काम किया है।

एस. लाल
एण्ड
सन्स मेडिकल्स
OPD
नेत्र रोग विशेषज्ञ
डा. आर.के. श्रीवास्तव
समय - 10 बजे से 1 बजे तक,
दिन - सोमवार, मंगलवार, शुक्रवार, (निःशुल्क परामर्श - शनिवार, रविवार)
स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ
डा. शिखा माथुर
प्रतिदिन - दोपहर 1 से 3 बजे तक
जनरल फिजिशियन
डा. कार्तिकेय
समय - शाम 4 बजे से 8 बजे तक । दिन - प्रतिदिन
पता - 18B, म्योर रोड, जहाज चौराहा, प्रयागराज
Mob.: 9151121918, 9140445768

हिंदुओं पर हो रहे हमलों के विरोध में विश्व हिन्दू रक्षा परिषद ने बंगलादेश के दूतावास पर किया प्रदर्शन

नयी दिल्ली, एजेंसी। विश्व हिन्दू रक्षा परिषद ने बुधवार को बंगलादेश में हिंदुओं तथा अन्य अल्पसंख्यकों पर हो रहे हमलों के विरोध में बुधवार को यहां बंगलादेश के दूतावास पर प्रदर्शन किया और पांच सूत्रीय मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा। प्रदर्शनकारियों ने जंतर–मंतर से बंगलादेशी दूतावास तक रैली निकाली। इस दौरान प्रदर्शनकारियों और वहां पर हिंदुओं और मंदिरों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए केंद्र सरकार से सैन्य कार्रवाई की मांग की। इस अवसर पर विश्व हिन्दू रक्षा परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल राय ने कहा, "मौजूदा समय बंगलादेश में हिंदू समाज पर लगातार हमले हो रहे हैं, महिलाओं और बच्चों पर अत्याचार हो रहे हैं। उनके घरों और मंदिरों को तोड़े जाने की घटनाएं सामने आ रही है, जो हमारी अंतरात्मा को झकझोर कर रख देती है।" विश्व हिन्दू रक्षा परिषद की ओर से बंगलादेश के राजदूत को सौंपे गए ज्ञापन में अल्पसंख्यक हिंदुओं, महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की गयी है। इसके साथ ही मंदिरों और हिंदुओं के घरों की मरम्मत करने, हिंदू समुदाय के क्षतिग्रस्त मंदिरों और घरों की तत्काल मरम्मत करवाने, ताकि उनका धार्मिक और सामाजिक जीवन सामान्य हो सके। ज्ञापन में हिंदू समुदाय के जिन सरकारी कर्मचारियों से जबरन इस्तीफा दिलाया गया था, उन्हें फिर से नौकरी पर रखने, बेसहारा बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा उन्हें आश्रय देने की मांग की गयी है।

राज्यपाल बोलीं- UP के जेलों में शुरू हो अध्ययन केंद्रः

प्रयागराज में UPRTOU के दीक्षांत समारोह में हुई शामिल, कहा- सास का सम्मान करें बेटियां

प्रयागराज। प्रयागराज के UPRTOU (उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय) के 19वें दीक्षांत समारोह में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल शामिल हुईं। इस दौरान उन्होंने 26 मेधावियों को मेडल प्रदान किया। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा–मुझे बहुत अच्छा लगा कि छात्र छात्राओं के साथ उनका परिवार भी आया है। उन्होंने सास बहू के रिश्ते पे चर्चा की। उन्होंने कहा कि जब सास बहू के बीच का रिश्ता अच्छा रहता है तो पूरा परिवार खुशहाल रहता है। उन्होंने कहा कि बेटियों को पढ़ाई के साथ साथ किचेन का काम भी आना चाहिए, क्योंकि आने वाले दिनों में बेटियों को यह फेस करना होगा। राज्यपाल ने मुक्त विश्वविद्यालय के अध्ययन केंद्रों में छात्रों की कम संख्या पर उन्होंने नाराजगी जताई। कहा कि यह चिंता का विषय है। इसमें सुधार की जरूरत है। उन्होंने कहा कि जेल में तमाम ऐसे युवा व महिलाएं बंद हैं जो शिक्षा हासिल करना चाहते हैं लेकिन वह पढ़ नहीं पाते। उन्होंने कहा कि प्रदेश के सभी जेलों में अध्ययन केंद्र खोलने की जरूरत है। उन्होंने ट्रांसजेंडरो की शिक्षा पर भी जोर दिया। कहा कि इनकी पढ़ाई के लिए भी प्रेरित करना चाहिए, उनके शिक्षा पर सोचना चाहिए। वह चाहते हैं पढ़ना, लेकिन कहां जाएं, किससे मिले इसके लिए भी प्रयास करना होगा, मुख्य अतिथि केंद्रीय विश्वविद्यालय, दक्षिण बिहार, गया के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने डिग्री और मेडल पाने वाले मेधावियों से कहा कि यह डिग्री आपको सफलता दिलाएगी जब आप कोई विजन लेकर आगे बढ़ेंगे। उन्होंने कहा कि विवेकानंद जी का देश है, युवाओं को उनके पद चिह्नों पर चलकर आगे बढ़ना होगा। दीक्षांत समारोह में आजमगढ़ की छात्रा आरती यादव को विश्वविद्यालय में सर्वोच्च अंक हासिल करने के लिए कुलाधिपति स्वर्ण पदक मिल रहा है। साथ ही अलग–अलग कोर्स में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने 26 मेधावियों को गोल्ड मेडल दिए जा रहे हैं। खास बात यह है कि गोल्ड मेडल पाने वालों में छात्राओं की संख्या ज्यादा है। इसमें 16 छात्राएं तथा 10 छात्र शामिल हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने बताया कि दीक्षांत समारोह में सत्र दिसंबर, 2023 तथा जून, 2024 की परीक्षा के सापेक्ष उत्तीर्ण 31940 शिक्षार्थियों को उपाधि प्रदान की जाएगा।इसमें 19096 छात्र तथा 12,844 छात्राएं शामिल हैं।

कोर्ट पहुंचा फर्जी एनकाउंटर केस, पुलिसवालों पर FIR का आदेशः प्रयागराज से युवक का अपहरण कर कौशांबी ले गए, गोली लगने से हुई मौत

प्रयागराज। प्रयागराज के एक युवक को कौशांबी पुलिस ने मुठभेड़ में गोली मार दी। बाद में अस्पताल में उसकी मौत हो गई। इस मुठभेड़ कांड पर सवाल खड़े हो गए। पुलिस पर घर से अपहरण कर ले जाने, फिर फर्जी मुठभेड़ में गोली मारकर हत्या करने का आरोप लगा। कोर्ट ने कौशांबी के चरवा थाने की पुलिस,ैळ प्रभारी और उनकी टीम पर अपहरण कर हत्या करने की थ्ट दर्ज करने का आदेश दिया है। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट शशि कुमार ने मारे गए युवक की मां की याचिका पर सुनवाई की। कोर्ट ने कहा– जो दस्तावेज हमारे सामने रखे गए हैं। उससे ऐसा लगता है कि कौशांबी पुलिस की भूमिका पूरी तरह संदिग्ध है। इसलिए संबंधित थानाध्यक्ष को आदेश दिया जाता है कि थ्ट दर्ज कर मामले की सही जांच की जाए। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ने कहा– दस्तावेज के मुताबिक, घटना 10 सितंबर, 2023 को सुबह 7 बजे हुई। थाना चरवा कौशांबी की पुलिस अचानक अंजू देवी के घर पहुंची, जोकि प्रयागराज के कोरांव में है। अंजू के बेटे विजय कुमार सोनी को मारने–पीटने लगे। कहा कि लूट के बारे में जानकारी के लिए चरवा थाना चलो। घर पर दो गाड़ियों में करीब 1 दर्जन पुलिस वाले पहुंचे थे। चरवा थाने की पुलिस के साथ ैळ प्रभारी व उनकी टीम मौजूद थी। टीम विजय का अपहरण करके ले गई। दरअसल, थाना चरवा इलाके में 8 सितंबर, 2023 को सोनार के साथ एक लूट की घटना हुई थी। उसी संबंध में विजय से फर्जी बरामदगी दिखाई गई। विजय को 12 सितंबर, 2023 को 1.33 बजे मुठभेड़ दिखाकर गोली मार दी गई। विजय के दाहिने कंधे में गोली लगी थी। गोली मारने वाली टीम में थाना चरवा प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार सिंह,ैळ प्रभारी सिद्धार्थ सिंह और उनकी टीम शामिल थी। 21 सितंबर, 2023 को विजय की मौत हो गई। उसका पोस्टमॉर्टम 22 सितंबर, 2023 को स्वरूपरानी मेडिकल कालेज प्रयागराज में कराया गया। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ने कहा– कोर्ट ये मान रहा है कि विजय कुमार सोनी को जान से मारने की नीयत से गोली चलाई गई।

शादी कराने वाली आर्य समाज संस्थाओं की जांच के आदेशः इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा- फर्जी प्रमाण पत्र मिले, मानव तस्करी-यौन उत्पीड़न की साजिश तो नहीं

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने प्रयागराज के विभिन्न मोहल्ले में चल रहीं आर्य समाज के नाम की संस्थाओं की जांच करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने पुलिस कमिश्नर प्रयागराज को निर्देश दिया कि वह विवाह कराने वाली इन संस्थाओं की विस्तृत जांच कराएं। जांच में यह पता लगाया जाए कि यह संस्थाएं किस नाम और पते के साथ किन क्षेत्रों में चल रही हैं। उनके अध्यक्ष सचिव और पुरोहित जो शादी कराते हैं के बारे में विस्तृत जानकारी इकट्ठा की जाए । यदि उनका कोई आपराधिक इतिहास है तो उसकी भी जानकारी की जाए। कोर्ट ने कहा कि यह भी पता लगाया जाए कि घर से भागे हुए लड़के लड़कियों से यह संस्थाएं किस प्रकार से संपर्क करती हैं। विवाह प्रमाण पत्र के लिए फर्जी दस्तावेज बनवाने में इनका मददगार कौन है। कौन इन लड़के लड़कियों को संरक्षण देता है तथा इन संस्थाओं के वित्तीय लेनदेन की भी जानकारी की जाए। कोर्ट ने संस्थाओं द्वारा शादी करवाने के लिए ली जाने वाली फीस (दक्षिणा) की जानकारी भी कराने का निर्देश दिया है। पुलिस कमिश्नर को अपनी रिपोर्ट सील बंद लिफाफे में कोर्ट के समक्ष अगली सुनवाई में प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया है। मानसी व अन्य सहित 42 याचिकाओं पर एक साथ सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति विनोद दिवाकर ने यह आदेश दिया। सभी याचिकाओं में एक ही जैसे प्रकरण थे । इन सभी याचियों का कहना था कि उन्होंने परिवार वालों की मर्जी के खिलाफ जाकर शादी की है। वह बालिक है उनकी जान को खतरा है। इसलिए उनको सुरक्षा मुहैया कराई जाए। याची मानसी ने आर्य समाज संस्थान नवाब युसूफ रोड सिविल लाइंस प्रयागराज जो की पंजीकृत संस्था और आर्य प्रतिनिधि सभा लखनऊ से संबंध होने का दावा करती है से शादी करके कोर्ट में विवाह प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया। कोर्ट ने कहा कि इन सभी याचिकाओं में प्रयागराज के विभिन्न मोहल्ले में स्थित आर्य समाज व अन्य नाम से चल रही संस्थाओं से विवाह प्रमाण पत्र लिया गया है । यह सभी संस्थाएं पंजीकृत और आर्य प्रतिनिधि सभा लखनऊ से संबंध होने का दावा करती है। कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने जब इन संस्थाओं द्वारा जारी प्रमाण पत्रों का सत्यापन किया तो पता चला की विवाह बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम के प्रावधानों के विपरीत जाकर कराए गए हैं। उनके साथ जो दस्तावेज लगाए गए हैं विशेष कर आधार कार्ड वह फर्जी पाए गए । नोटरी पर दिया गया शपथ पत्र भी फर्जी पाया गया । याचियों के नाम और पते भी गलत पाए गए। विवाह पंजीकरण अधिकारी इन्हीं फर्जी दस्तावेजों पर विवाह का पंजीकरण कर रहे हैं। कोर्ट ने कहा कि इस प्रकार के विवाहों से मानव तस्करी और यौन उत्पीड़न तथा बंधुआ मजदूरी को बढ़ावा मिलता है। सामाजिक असुरक्षा के कारण नाबालिक भावनात्मक व मनोवैज्ञानिक सदमे का शिकार होती है। कोर्ट ने विवाह कराने वाली इन संस्थाओं की विस्तृत जांच में पुलिस कमिश्नर को स्वयं निगरानी करने का निर्देश दिया है। तथा कहा है कि अगली सुनवाई पर वह वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के मामले से अदालत में उपस्थित रह सकते हैं।

पिता की नौकरी बनी वजह, मां और भाई की प्रताड़ना से परेशान था मनीष

प्रयागराज। धूमनगंज के रम्मन का पूरा इलाके में किराए कमरे में रविवार को दो मासूम बेटियों का कत्ल कर खुदकुशी करने वाले मनीष प्रजापति इसके लिए मां गीता और भाई अमित को जिम्मेदार ठहराया है। बताया जा रहा है कि घटना के बाद जांच में पुलिस को डायरी से एक पन्ना मिला है। सूत्रों के मुताबिक इसमें मनीष ने लिखा है कि वह गीता और भाई अमित प्रजापति की वजह से अपनी जान देने जा रहा हूं। दोनों मिलकर लगातार इसके लिए मजबूर किया। राजकीय मुद्रणालय में मेरे पिता रोशन लाल मशीन परिचर के पद पर कार्यरत थे। आश्रित कोटे में नौकरी प्राप्त करने के लिए अमित ने लगातार एनओसी प्राप्त करने के लिए परेशान किया। आज तक इसके लिए सहमति नहीं दी। मेरी पत्नी को बदनाम करने की बात करी गई। पिता की चल–अचल संपत्ति में हिस्सा न देने की बात की गई। इसकी रिकार्डिंग है। नौकरी भी मेरे एनओसी के बिना दे दी गई। कैसे इसकी जांच होनी चाहिए। अमित ने मेरी बेटी को जबरदस्ती गोद लेने की बात की। इसकी भी रिकार्डिंग है। इस नोट में उसने अपना नाम और अंगूठा भी लगाया है। अब इस सुसाइड नोट की लिखावट और मोबाइल की रिकार्डिंग की जांच के बाद पुलिस आवश्यक कार्रवाई करेगी।

पुलिसकर्मियों के वेतन वृद्धि पर HC ने मांगा जवाबः याचिका में कहा गया ट्रेनिंग पीरियड से जुड़े प्रमोशन, 2019 के सफल कैंडिडेट ने की थी अपील

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पुलिस कर्मियों की वेतन वृद्धि के लिए विभागों से जवाब तलब किया है। प्रयागराज, गाजियाबाद, मेरठ, वाराणसी, आगरा, गोरखपुर, बरेली, कानपुर नगर समेत अन्य जिलों में तैनात दरोगा एवं फायर स्टेशन द्वितीय ऑफिसर, धर्मेन्द्र यादव व सैकड़ों अन्य दरोगाओं की याचिका पर हाईकोर्ट ने सुनवाई की। साथ ही पुलिस विभाग एवं अग्निशमन विभाग के आला अधिकारियों को नोटिस जारी किया है। यह आदेश न्यायमूर्ति जेजे मुनीर ने पुलिस विभाग एवं अग्निशमन विभाग में कार्यरत सैकड़ों दरोगाओं, फायर स्टेशन द्वितीय ऑफिसर की याचिकाओं में पारित किया। इन दरोगाओं की याचिका में मांग है कि उन्हें ट्रेनिंग पीरियड जून–जुलाई 2019 से सेवा में निरन्तर मानते हुए तभी से उन्हें वेतन वृद्धि एवं अन्य लाभ दिया जाए। याचिकाकर्ताओं धर्मेन्द्र यादव और 117 अन्य की तरफ से वरिष्ठ अधिवक्ता विजय गौतम एवं अधिवक्ता अतिप्रिया गौतम ने पक्ष रखा। कोर्ट ने संयुक्त सचिव गृह, डीजीपी उत्तर प्रदेश लखनऊ व डीजी फायर सर्विस, लखनऊ को उक्त आदेश मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वारा रजिस्ट्रार अनुपालन इलाहाबाद हाईकोर्ट को 48 घंटे के अन्दर सूचित करने के लिये आदेशित किया है। कोर्ट ने विपक्षी अधिकारियों से जवाब तलब करते हुए याचिका की सुनवाई के लिए 16 सितंबर 24 तारीख तय की है। याचिका के मुताबिक– 17 जून 2016 को 2707 उपनिरीक्षक नागरिक पुलिस, प्लाटून कमाण्डर पीएसी एवं अग्निशमन अधिकारी द्वितीय के पदों पर सीधी भर्ती के लिए वर्ष 2016 में उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा विज्ञप्ति निकाली गयी थी। सभी याचीगणों ने आवेदन किया था। सभी ने ऑन लिखित परीक्षा, अभिलेखों की संवीक्षा एवं शारीरिक मानक परीक्षा तथा शारीरिक दक्षता परीक्षा उत्तीर्ण करने के पश्चात अन्तिम चयन सूची में दिनांक 28 फरवरी 2019 चयनित हुए। उप्र पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड, लखनऊ द्वारा कुल चयनित 2181 दरोगा, प्लाटून कमाण्डर एवं अग्निशमन द्वितीय अधिकारी की सूची जारी की जिसमें सभी याची भी चयनित थे। तत्पश्चात सभी चयनित दरोगाओं, प्लाटून कमाण्डर एवं अग्निशमन द्वितीय अधिकारियों का मेडिकल कराने के पश्चात जूनध्जुलाई, 2019 में ट्रेनिंग में भेज दिया गया। असफल अभ्यर्थियों ने चयन सूची दिनांक 28 फरवरी 2019 के विरुद्ध इलाहाबाद हाईकोर्ट में अलग–अलग याचिकाएं ग्रुप वाइज दाखिल करके इसे चुनौती दी। हाईकोर्ट ने सभी याचिकाओं को एक साथ सुना और 11 सितंबर 2019 को असफल अभ्यर्थियों की याचिकाएं स्वीकार करते हुए चयन–सूची दिनांक 28 फरवरी 2019 रद्द कर दी। उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड को नये सिरे से चयन सूची बनाने के निर्देश जारी किए। कोर्ट ने यह भी आदेशित किया कि 6 सप्ताह के अन्दर हाईकोर्ट के आदेश का अनुपालन सुनिश्चित करें। नए सिरे से चयनित अभ्यर्थियों को ट्रेनिंग पर भेजे। हाईकोर्ट के इस आदेश दिनांक 11 सितंबर 2019 के पश्चात सभी चयनित दरोगाओं, प्लाटून कमाण्डरों तथा फायर स्टेशन के द्वितीय ऑफिसरों को जूनध्जुलाई वर्ष 2020 में ट्रेनिंग सेन्टर से बगैर ट्रेनिंग कराए उनके घर वापस कर दिया गया। हाईकोर्ट के आदेश दिनांक 11 सितंबर 2019 के विरूद्ध यूपी सरकार ने सर्वोच्च न्यायालय में एसएलपी दाखिल की जिसमें सर्वोच्च न्यायालय ने दिनांक 07 जनवरी 2022 को उप्र सरकार की एसएलपी स्वीकार कर ली एवं इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश दिनांक 11 सितंबर 2019 को निरस्त कर दिया। सर्वोच्च न्यायालय ने यह आदेश जारी किया कि जो बोर्ड द्वारा दिनांक 28 फरवरी 2019 को चयन सूची जारी की गयी है, उसे तुरन्त प्रभावी किया जाए। यह कि सर्वोच्च न्यायालय के आदेश दिनांक 07 जनवरी 2022 के अनुपालन में सभी याचीगणों को दुबारा ट्रेनिंग पर वापस बुला लिया गया एवं सभी याचियों की ट्रेनिंग पूर्ण कराकर उन्हें पोस्टिंग प्रदान कर दी गयी। याचीगणों ने संयुक्त रूप से याचिका दाखिल करते हुए जूनध्जुलाई वर्ष 2019 से उनकी सेवाओं को निरन्तर मानते हुए वरिष्ठता देने के सम्बन्ध में तथा बीच की अवधि के वेतन व भत्ते दिये जाने के लिये मांग की है। याचीगणों ने यह भी मांग की है कि प्रशिक्षण की अवधि जूनध्जुलाई वर्ष 2019 से जोड़ते हुए सेवा में निरन्तर माना जाय तथा तभी से वेतन वृद्धि व अन्य लाभ प्रदान किये जाए। वरिष्ठ अधिवक्ता का कहना था कि उत्तर प्रदेश सब इंस्पेक्टर व इंस्पेक्टर (सिविल पुलिस) सेवा नियमावली–2015 के नियम 22(2) में यह स्पष्ट प्रावधान है कि चयन का दिनांक वह माना जाएगा, जिस दिन चयन समिति द्वारा चयन प्रक्रिया पूर्ण होने के पश्चात चयन लिस्ट जारी की गयी हो। क्योंकि इस चयन प्रक्रिया की चयनित लिस्ट दिनांक 28 फरवरी 2019 को भर्ती बोर्ड द्वारा जारी की गयी है। इसलिए सभी याचीगण इसी दिनांक से सेवा के सभी लाभ पाने के हकदार है।

भाजपा विधायक पप्पू भरतौल समेत सैकड़ों पर दर्ज हुई थी FIR इलाहाबाद हाईकोर्ट ने दी राहत

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बरेली गैंगवार में राजीव राणा के जमींदोज हो चुके होटल के कर्मी संदेश की जमानत अर्जी मंजूर कर ली। यह आदेश न्यायमूर्ति श्रीप्रकाश सिंह ने संदेश की जमानत अर्जी पर दिया। बरेली के इज्जतनगर थाना क्षेत्र में 22 जून की सुबह प्लॉट कब्जे को लेकर बजरंग ढाबे पर फिल्मी स्टाइल में रियल गैंगवार हुआ था। यह गैंगवार भाजपा के विधायक रहे राजेश मिश्रा उर्फ पप्पू भरतौल के साथी राजीव राणा गुट और दूसरे पक्ष में मार्बल कारोबारी आदित्य उपाध्याय गुट के बीच हुआ था। पुलिस के सामने घंटों ताबड़तोड़ फायरिंग में पुलिस ने राजीव राणा गुट के चार लोगों के खिलाफ नामजद और 20–25 सहयोगियों व दूसरे पक्ष के आदित्य उपाध्याय, अभिराज और उनके चौकीदार समेत कई अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था। आदित्य उपाध्याय के नौकर रोहित शर्मा ने भाजपा के पूर्व विधायक राजेश मिश्र उर्फ पप्पू भरतौल, उनके साथी राजीव राणा समेत 11 के खिलाफ नामजद और करीब 150 अज्ञात के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई थी। याची के अधिवक्ता ने दलील दी कि आरोपी संदेश राजीव राणा के होटल का वेटर है। पुलिस ने उसे होटल से उठाया और एक चाकू की फर्जी बरामदगी के साथ पीलीभीत रोड से गिरफ्तारी दिखाई है। फर्द गिरफ्तारी पर हस्ताक्षर अदालत परिसर में कराया गया। याची एफआईआर में नामजद नहीं है और न ही उसकी की कोई भूमिका बताई गई है। पुलिस जांच में दावा किया गया था की सीसीटीवी फुटेज से पता लगा कि बिल्डर राजीव राणा के सिटी स्टार होटल में गैंगवार की साजिश रची गई थी।

छींटाकशी से नाराज छात्रा ने जूता लेकर शोहदे को सड़क पर दौड़ाया

प्रयागराज। प्रयागराज स्कूल की छुट्टी होने के बाद छात्रा अपनी सहपाठियों के साथ वापस आ रही थी तभी टोल पर मौजूद किसी युवक ने उसपर कमेंट कर दिया। कमेंट करने से नाराज छात्रा हाथ में जूता लेकर युवक को दौड़ा लिया। साथी छात्राओं

ने छात्रा को रोकने का प्रयास कर रही है। इसी बीच किसी ने इसका वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल करते हुए इसकी जानकारी औद्योगिक क्षेत्र पुलिस को दी है। मिर्जापर राजमार्ग पर मुंगारी टोल प्लाजा पर मंगलवार दोपहर एक छात्रा द्वारा हाथ में जूता लेकर एक शोहदे को दौड़ाने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। आरोप है कि स्कूल की छुट्टी होने के बाद छात्रा अपनी सहपाठियों के साथ वापस आ रही थी, तभी टोल पर मौजूद किसी शोहदे ने उस पर अभद्र कमेंट कर दिया। इससे नाराज छात्रा हाथ में जूता लेकर उसको दौड़ा लिया। साथी छात्राओं ने छात्रा को रोकने का प्रयास कर रही है। इसी बीच किसी ने इसका वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल करते हुए इसकी जानकारी औद्योगिक क्षेत्र पुलिस को दी है। वहीं घटना के बाद वहां भीड़ इकट्ठा होने पर छात्रा वहां से चली गई। मामले में एसओ औद्योगिक महेश मिश्रा ने बताया कि छात्रा द्वारा हाथ में जूता लिए हुए फोटो वायरल हुई है, लेकिन कोई भी शिकायत लेकर नहीं आया। मामला क्या है यह स्पष्ट नहीं हो सका है। टोल बूथ पर लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज के साथ स्कूल में छात्रा की पहचान कर मामले की जानकारी ली जाएगी। यदि किसी तरह की छेड़खानी का मामला है तो घटना के अनुसार विधिक कार्रवाई की जाएगी।

माफिया अतीक के बेटे अली पर जल्द लगेगा गैंगस्टरः प्रयागराज पुलिस ने गैंग चार्ट तैयार कर पुलिस कमिश्नर को भेजा, 10 अन्य पर भी होगी कार्रवाई

प्रयागराज। माफिया अतीक अहमद बेटी अली पर जल्द ही गैंगस्टर एक्ट की कार्रवाई होगी। नैनी जेल में बंद अली के साथ ही 10 अन्य पर गैंगस्टर लगाने की तैयारी है। करेली पुलिस ने ने गैंग चार्ट तैयार कर पुलिस कमिश्नर को रिपोर्ट भेजी है। माना जा रहा है कि पुलिस कमिश्नर की अंतित मुहर लगते ही अतीक का दूसरे नंबर का बेटा अली पर गैंगस्टर के तहत कार्रवाई शुरू हो जाएगी। 2021 में माफिया अतीक अहमद के बेटे अली अहमद, मो.असाद कालिया, आरिफ उर्फ कछौली, संजय सिंह, इमरान उर्फ गुड्डू, सैफ उर्फ मामा, अमन, कुल्लू अतीक अहमद खलेरा भाई , अली अब्बा समेत 15 अन्य के खिलाफ केस दर्ज हुआ था। आरोप था कि पांच करोड़ की रंगदारी मांगी गई। जानलेवा हमले समेत अन्य धाराओं में केस दर्ज हुआ था। यह मुकदमा माफिया अतीक अहमद के रिश्तेदार जीशान उर्फ जानू निवासी चकिया ने दर्ज कराया था। जिशान ने आरोप लगाया था कि अतीक के बेटे अली ने कनपटी पर पिस्टल लगाकर अब्बा यानि अतीक से बात कराई थी। इसी मामले को आधार बनाकर पुलिस ने गैंग चार्ट तैयार किया हे।

आयुर्वेदिक अस्पतालों में विकसित होंगे हर्बल गार्डेनः प्रयागराज के 14 अस्पतालों में तैयार होगी अश्वगंधा, गिलोय, दालचीनी जैसी जड़ी-बूटियों की नर्सरी

प्रयागराज। कोरोना काल के बाद से बड़ी संख्या में लोग आयुर्वेद की तरफ बढ़े हैं। यही कारण है कि आयुर्वेदिक अस्पतालों में अब हर्बल नर्सरी व गार्डन विकसित करने की तैयारी चल रही है। मंगलवार को जिला आयुष समिति की बैठक में 14 आयुर्वेदिक व एक यूनानी अस्पताल में यह नर्सरी और गार्डन विकसित करने पर सहमति बनी है। इसमें अश्वगंधा, गिलोय, दालचीनी, एलोवेरा, आंवला, चिरैता, कारीपत्ता, नीम, सहजन, मुलेठी, इमली, अर्जुन, शतावर जैसे पौधे व जड़ी बूटियों की नर्सरी तैयारी होगी व पौधे लगाए जाएंगे। दरअसल, इसका प्रस्ताव बनाकर डीएम नवनीत सिंह चहल व सीडीओ गौरव कुमार के समक्ष रखा गया। इसकी पूरी जानकारी करने पर दोनों अधिकारियों की ओर से इसके लिए सहमति दे दी गई है। जनपद के राजकीय आयुर्वेदिक अस्पताल सेवइत, मुकुंदपुर, बलरामपुर, सरायममरेज, मवैया, भड़ेवरा, कोहड़ार घाट, करमा बाजार, जसरा, मानपुर, भीरपुर, बरौत, जंघई बाजार व अतरौरा में यह नर्सरी व गार्डन विकसित किए जाएंगे। इसमें राजकीय यूनानी अस्पताल मिंडारा भी शामिल है।

तीन दिन तक बाधित रहेगी बिजली आपूर्ति

प्रयागराज। महाकुंभ मेला के मद्देनजर चल रहे बिजली संबंधित कार्य को लेकर 11 से 13 सितंबर तक कई मुहल्ले की बिजली आपूर्ति पांच घंटे बाधित रहेगी। रामबाग उपखंड अतर्गत अजंता और मानसरोवर फीडर पर सुबह 11 से शाम चार बजे तक बिजली आपूर्ति बंद रहेगी। इसी प्रकार फोर्ट रोड उपकेंद्र में 33 केवी लाइन की शिफ्टिंग का कार्य होगा, जिस कारण सुबह दस से शाम चार बजे तक आपूर्ति प्रभावित रहेगी। 132 केवी उपकेंद्र मनौरी पर क्षतिग्रस्त परिवर्तक को बदलने का कार्य 12 व 13 सितंबर को होगा। इससे बमरौली प्रथम, द्वितीय, तृतीय, पीपल गांव, अरका फतेहपुर, महगांव, मखउपुर, चरवा, एमईएस आदि उपकेंद्रों से होने वाली बिजली आपूर्ति सुबह आठ से दोपहर एक बजे तक बंद रहेगी।

15 सितंबर को शाम 5:30 बजे प्रयागराज आएगी वंदेभारत

प्रयागराज। आगरा कैंट वाराणसी के बीच चलने वाली वंदे भारत 15 सितंबर को ट्रायल रन पर चलेगी। 15 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का बड़ा कार्यक्रम प्रस्तावित है। जिसमें वो कई ट्रेनों को वर्चुअली हरी झंडी दिखाएंगे। इसी दौरान आगरा वाराणसी वंदे भारत की भी शुरूआत होगी। ट्रेन सुबह 11 बजे चलेगी, जो 11:50 बजे टूंडला पहुंचेगी, इटावा में दोपहर 1रू05 बजे कानपुर सेंट्रल पर दोपहर तीन बजे, प्रयागराज जंक्शन पर शाम 5:30 बजे, वाराणसी शाम 7:45 बजे पहुंचेगी। हर स्टेशन पर ट्रेन 20 मिनट ही ठहरेगी। ट्रेन भगवा रंग की होगी। इसके परिचालन को लेकर तैयारी पूरी कर ली गई। शाम को प्रयागराज जंक्शन पर जन प्रतिनिधि ट्रेन का स्वागत करेंगे।

हिंदी पखवाड़ा के उपलक्ष में भाषा और प्रशासन विषय पर संगोष्ठी आयोजित

प्रयागराज ससी.एम.पी महाविद्यालय हिंदी विभाग प्रयागराज द्वारा हिंदी पखवाड़ा के उपलक्ष्य में आज दिनांक 11/09/24 को ष्भाषा और प्रशासनष विषय पर एक संगोष्ठी आयोजित की गई। मुख्य वक्ता श्री प्रवीण कुमार वर्मा(संभागीय लेखाधिकारी खाद्य प्रयागराज मंडल) को प्रो. आभा त्रिपाठी ने औषधीय पौधा देकर कार्यक्रम की औपचारिक शुरुआत की। हिंदी विभाग की प्रो.सरोज सिंह ने स्वागत वक्तव्य देते हुए विस्तार से मुख्य वक्ता से परिचय कराया और उनकी उपलब्धियों को साझा कराया। तत्पश्चात मुख्य वक्ता ने ष्भाषा और प्रशासनष विषय पर गंभीर वक्तव्य प्रस्तुत करते हुए राजभाषा हिंदी की वर्तमान व्यावहारिक स्थिति को बताते हुए शब्दों के मानकीकरण न होने के कारण होने वाली समस्यायों से अवगत कराया । साथ ही प्रशासन में प्रयोग होने वाली हिंदी भाषा के दो रूपों का भी जिक्र किया जिसमें एक तो प्रशासनिक भाषा जिसकी विशेषता बताते हुए कहा कि उसका अर्थ निश्चित, बोधगम्य एवं निर्वैयक्तिक होना चाहिए तथा दूसरी अनौपचारिक हिंदी जिसमें हम आम बोलचाल की भाषा में बात करते हैं। अनुवाद प्रक्रिया पर बड़ा सवाल उठाते हुए उसके बहुअर्थवाद पर प्रश्नचिन्ह भी लगाया। साथ ही प्रशासनिक भाषा और हिंदी में एकरूपता बनाए रखने के लिए कार्यशालाओं के सतत आयोजन की बात कही। छात्र दृ छात्राओं ने प्रश्न के माध्यम से अपनी जिज्ञासाओं के बारे में भी विस्तार से जाना। प्रो. सरोज सिंह ने स्मृतिदृचिह्न देकर मुख्य वक्ता का स्वागत किया एवम हिंदी विभाग के संयोजक प्रो. दीनानाथ ने अंगवस्त्रम प्रदान कर मुख्य वक्ता को सम्मानित किया।कार्यक्रम में डॉ .प्रेमशंकर सिंह, डॉ.जी.गणेशन, डॉ.रंजीत सिंह, डॉ.रमाशंकर सिंह, डॉ.राजेंद्र यादव, डॉ.पूजा गौड़, डॉ.प्रियंका गोंड एवम भारी संख्या में छात्र एवम छात्राएं उपस्थित रहे। प्रो.आभा त्रिपाठी के धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। कार्यक्रम का सफल एवम सुंदर संचालन डॉ. भारती कोरी ने किया।

उत्तर प्रदेश में भारी बारिश का अनुमान, रेड और ऑरेंज अलर्ट जारी

लखनऊ, एजेंसी। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने उत्तर प्रदेश के कई जिलों के लिए 'रेड और 'ऑरेंज अलर्ट जारी करते हुए अगले 48 घंटों में भारी बारिश होने का पूर्वानुमान जताया है। मथुरा और आगरा को 'रेड अलर्ट के तहत रखा गया है, जिसके तहत संभावित प्राकृतिक आपदाओं के लिए उच्चतम स्तर की तैयारियां करने के लिए कहा जाता है। इसके अलावा, राज्य के एक दर्जन से अधिक अन्य जिलों के लिए 'ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। मथुरा और आगरा के लिए रेड अलर्ट बुधवार सुबह से बृहस्पतिवार सुबह तक वैध है। इसके अलावा, फर्रुखाबाद, बिजनौर, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली और शाहजहांपुर को भी बृहस्पतिवार और शुक्रवार के लिए रेड अलर्ट जारी किया गया है। उत्तर प्रदेश के राहत आयुक्त जी.एस. नवीन कुमार ने कहा, "प्रभावित जिलों में स्थानीय प्रशासनिक अधिकारियों को सतर्क रहने और यह सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है कि राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) और राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) की टीमें किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहें।

महिला पुलिसकर्मी को गंदे मैसेज भेजकर युवक ने दी बदनाम करने की धमकी

पीड़िता ने दर्ज कराई एफआईआर

लखनऊ, एजेंसी। महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान को बचाने के लिए जिस महिला सिपाही ने वर्दी पहनी थी, अब वह खुद शोहदे से इस कदर परेशान है कि उसकी हिम्मत टूट रही है। शोहदा न केवल उसे अश्लील मैसेज व फोटो भेज परेशान कर रहा बल्कि परिजनों व उसके दोस्तों को गलत बातें बताकर बदनाम करने की धमकी दे रहा है।शोहदे की हरकतों से आजिज आकर महिला सिपाही ने महानगर थाने में एफआईआर दर्ज कराई है। पुलिस शोहदे की तलाश कर रही है।लखनऊ में तैनात पीड़िता सिपाही के मुताबिक प्रयागराज का रहने वाला एक युवक उसे अश्लील वीडियो और फोटो भेज कर बीते कई दिनों से परेशान कर रहा है। जब वह विरोध करती है तो उसके दोस्तों और परिजनों को सिपाही के विषय में गलत बातें बताकर बदनाम करने की धमकी देता है।पीड़ित महिला सिपाही के मुताबिक वह पीएसी में स्पोर्ट्स कोटे पर भर्ती हुई थी और वेट लिफ्टिंग की प्लेयर है। प्रयागराज का रहने वाला मनीष पटेल उसे कई नंबर्स से व्हाट्सएप पर अश्लील मैसेज और फोटो वीडियो भेजता था। वह उसका मोबाइल हैक कर सिपाही के ही व्हाट्सएप अकाउंट से उसके रिश्तेदारों, दोस्तों और विभागीय सहकर्मियों को अश्लील मैसेज भेज कर उसे बदनाम करने की कोशिश कर रहा है।महिला सिपाही का कहना है कि जब यह सब करने से उसने आरोपी को मना किया तो वह उससे गाली गलौज और बदनाम कर उसका करियर बर्बाद करने की धमकी देता है। पीड़िता ने बताया कि आरोपी ने उसे इतना परेशान कर दिया है कि वह शारीरिक और मानसिक रूप से टूट गई है। वह न परिवार न ही नौकरी पर ध्यान दे पा रही है। वह अपने खिलाड़ी साथियों के बीच अपमानित महसूस करती है। इंस्पेक्टर महानगर अखिलेश मिश्रा ने बताया कि पीड़िता की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और जांच कर कार्रवाई की जाएगी। इससे पहले लखनऊ के चिनहट व हजरतगंज थाने में भी दो महिला सिपाहियों ने छेड़छाड़ से परेशान होकर एफआईआर दर्ज कराई थी।

प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के महानायक गुलाब सिंह की अमर गाथा गाते हैं इतिहास के पन्ने लोकपाल समाज शेखर ने आजादी के महानायक

राजा गुलाब सिंह के पुरावशेष स्थल का किया भ्रमण पंचायत द्वारा संरक्षित व विकसित करने का सुझाव

प्रतापगढ़। प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के महानायक राजा बाबू गुलाब सिंह के प्राचीन रियासत बर्तमान ग्राम पंचायत तरौल का भ्रमण ग्रामीणों की अपेक्षा पर लोकपाल मनरेगा समाज शेखर ने किया। ग्राम प्रधान कमलेश कुमार ने प्रमुख ग्राम पंचायत सदस्यों तथा गांव के प्रमुख लोगों के साथ इस प्राचीन धरोहर को ग्राम पंचायत द्वारा संरक्षित करने का संकल्प लिया। वहीं ग्राम के प्रवेश स्थल पर बाबू गुलाब सिंह की स्मृति में भव्य द्वार बनाने की भी योजना तय की। लोकपाल सामाजिक कार्यकर्ता समाज शेखर इस प्राचीनतम स्थल को जगाने हेतु

स्थानीय सहयोगियों के साथ पहले से ही प्रयासरत रहे हैं। अब जब मनरेगा लोकपाल हुए हैं तब से ग्राम व स्थानीय कार्यकर्ताओं की अपेक्षा है कि आजादी के इस महत्वपूर्ण स्थल का संरक्षण व विकास सरकार द्वारा अवश्य हो। ऐसे गत दिनों की अपेक्षा के क्रम में लोकपाल ने स्थलीय भ्रमण कर ग्रामीणों के साथ संवाद भी स्थापित किया। ग्राम प्रधान कमलेश यादव, पत्रकार प्रभाकर राय, आर टी आई कार्यकर्ता राजीव मिश्र व मुन्ना यादव ने उत्साह प्रकट करते हुए कहा कि सरकार को इस महानायक को भुलाना ठीक नही। इतिहास के पन्ने गुलाब सिंह की अमर गाथा गाते हैं। परन्तु समाज व सरकार की उपेक्षा से आज भी इस महानायक के नाम पर कटरा गुलाब सिंह नगर के नाम के सिवा कुछ भी नही है। ऐसे में ग्रामीणों ने प्रधान के साथ इस स्थल को स्वच्छ व विकसित करके संरक्षित करने का संकल्प लिया।

मंगेश यादव एनकाउंटर पर अखिलेश ने फिर उठाए सवाल

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर में डकैती के आरोपी मंगेश यादव के एनकाउंटर को लेकर सियासत जारी है। एनकाउंटर को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और समाजवादी पार्टी के बीच जुबानी जंग हो गई है। इसी क्रम में समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने इस मुद्दे को लेकर एक बार फिर योगी सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि भाजपा में मुठभेड़ की झूठी कहानी बनाती है और फिर दुनिया को झूठी तस्वीरें दिखाती है। तथाकथित बड़े भाजपाई नेताओं से ऐसे गैरकानूनी एनकाउंटर को सही साबित करने के लिए तर्कहीन बयानबाजी भी कराती है। अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि भाजपा राज में एनकाउंटर का एक पैटर्न सेट हो गया है। पहले किसी को उठाओ, फिर झूठी मुठभेड़ की कहानी बनाओ, फिर दुनिया को झूठी तस्वीरें दिखाओ, फिर हत्या के बाद परिवारवालों द्वारा सच बताए जाने पर तरह–तरह के दबाव व प्रलोभन से उन्हें दबाओ विपक्षी राजनीतिक दलों द्वारा भंडाफोड़ होने पर अपने दोयम दर्जे के नेताओं को आगे करके शीर्ष नेतृत्व को बचाओ। फिर 'जिसका दाना–उसका गाना' वाले संबंधों को निभाने वाले मीडिया को दुष्प्रचार के लिए लगाओ। फिर झूठ में पारंगत अपने तथाकथित बड़े भाजपाई नेताओं से ऐसे गैरकानूनी एनकाउंटर को सही साबित करने के लिए तर्कहीन बयानबाजी कराओ। सच्चे मीडिया को विपक्ष या विदेशी समर्थन पर जीने वाला साबित करके उनकी बदनामी करवाओ और जनाक्रोश बढ़ने पर औपचारिक, दिखावटी जांच कराकर मामला रफा–दफा करवाओ। भाजपा अपने दल–बल के साथ ऐसे एनकाउंटरों को जितना अधिक सच साबित करने में लग जाती है, वो एनकाउंटर दरअसल उतना ही बड़ा झूठ होता है। भाजपा ने सच का ही एनकाउंटर कर दिया है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव के बयान पर भाजपा प्रवक्ता राकेश त्रिपाठी ने पलटवार किया है। उन्होंने वीडियो शेयर कर कहा, समाजवादी पार्टी की लाल टोपी के नीचे का काला चेहरा सामने आता जा रहा है। एनकाउंटर (गैंगस्टर मंगेश यादव) के बाद अखिलेश यादव का दर्द और बढ़ जाता है, अपराधियों के साथ उनका कैसा गठजोड़ है ये एनकाउंटर से उनकी पीड़ा को समझा जा सकता है। अखिलेश यादव अब अपराधियों की जाति बताने के काम कर रहे हैं। वो शहीद पुलिसकर्मी या घायल पुलिस वालों की जाति नहीं देखना चाहते हैं। वो अपराधियों की जाति देख रहे हैं। वह अयोध्या में पीड़ित लड़की की जाति नहीं देखते हैं, वो अपराधियों की जाति बताकर के उनके साथ पेशबंदी में खड़े हो रहे हैं यह दुर्भाग्य की बात है।

इस्तेमाल में आसान सैनडिस्क मोबाइल पैन ड्राइव के साथ वैस्टर्न डिजिटल दे रही है और अधिक क्रिएट व स्टोर करने की ताकत

आकर्षक कीमतों पर नई रंगीन सैनडिस्क मोबाइल पैन ड्राइव भी पेश की गई हैं

लखनऊ, एजेंसी। वैस्टर्न डिजिटल ने आज लखनऊ में आयोजित एक कार्यक्रम में 'सैनडिस्क मोबाइल पैन ड्राइव' की रेंज प्रदर्शित की। कंपनी के पुरस्कार विजेता सैनडिस्क ब्रांड की यह रेंज उपभोक्ताओं की स्टोरेज की जरूरतों को पूरा करने के लिए डिजाइन की गई हैं, फिर चाहे वे घर पर हों या सफर पर। आज के समय में हमारी यादें पिक्सलों में हैं, हमारे अनुभव डिजिटल हो गए हैं, ऐसे में और अधिक स्पेस की जरूरत हमेशा बनी रहती है। चाहे बच्चे के पहले कदमों को दर्ज करना हो, सैल्फी लेनी हो या सावधानी से बनाई म्यूजिक लाइब्रेरी का बैकअप लेना होय ये नए उत्पाद जीवन के सफर को कैद करने, स्टोर करने और संभालने के लिए बनाए गए हैं। कंपनी ने किफायती सैनडिस्क मोबाइल पैन ड्राइव भी पेश किए हैं जो आकर्षक रंगों में उपलब्ध हैं जैसे पीला, संतरी, लैवेंडर, नेवी ब्ल्यू, नवागियो बे, ऐबसिंथे ग्रीन व मिंट ग्रीन। इनकी कीमतें रु. 619 से शुरु होती हैं और ये वैस्टर्न डिजिटल स्टोर तथा अधिकृत सैनडिस्क रिटेलर, ई–टेलर एवं वितरकों के माध्यम से बिक्री के लिए उपलब्ध हैं। भारत में वैस्टर्न डिजिटल के वरिष्ठ निदेशक (बिक्री) खालिद वानी ने कहा, ''स्मार्टफोन ने लगभग हर व्यक्ति को एक कॉन्टेंट क्रिएटर में बदल दिया है। फिर भी रचने और खपत के लिए हमारी चाहत बढ़ती जा रही है, और इसी के साथ निर्बाध स्टोरेज सॉल्यूशंस की जरूरत भी बढ़ रही है। वैस्टर्न डिजिटल में प्रयोक्ताओं को भरोसेमंद, इस्तेमाल में आसान और तेज स्टोरेज सॉल्यूशंस से सशक्त बनाने को समर्पित हैं। आज, लखनऊ में अपनी नवीनतम इनोवेशन सैनडिस्क मोबाइल पैन ड्राइव को प्रस्तुत करते हुए मैं बहुत खुश हूं। ये शानदार फ्लैश ड्राइव विशाल स्टोरेज क्षमताओं से भरपूर हैं ताकि उपभोक्ता आसानी से अपने उपकरण से फाइलें इनमें स्थानांतरित कर सकेंय इससे उनकी पसंदीदा फोटो, मूवी, म्यूजिक, गेम्स आदि के लिए काफी स्पेस खाली हो जाएगा।'

सैनडिस्क मोबाइल पैन ड्राइव–यूएसबी टाईप सी और टाईप ए उपकरणों के लिए 2–इन–वन फ्लैश ड्राइव फ्लेक्सिबल और सुविधाजनक सैनडिस्क मोबाइल पैन ड्राइव प्रयोक्ता को यह सुविधा देते हैं कि वे यूएसबी टाईप–सी स्मार्टफोन, टैबलेट एवं मैक तथा यूएसबी टाईप–ए कंप्यूटर के मध्य बिना बाधा के फाइलें स्थानांतरित कर सकें। 100 एमबी प्रति सैकिंड तक की रीड स्पीड के साथ फाइलें तेजी से ट्रांस्फर करें। अब बेशुमार फोटो क्लिक करने का आनंद लें, उन्हें ऐक्सैस करें व अपने सभी उपकरणों में शेयर करें, बिना कुछ भी छोड़े। अपनी स्टोरेज का विस्तार करेंरू सैनडिस्क मोबाइल पैन ड्राइव 512जीबी तक का विशाल स्टोरेज स्पेस देती है। ऑटोमेटिक बैकअपः सैनडिस्क ऐप के साथ अपने फोटो, वीडियो, म्यूजिक, दस्तावेजों एवं सम्पर्कों का ऑटोमेटिकली बैकअप लें। नए रंगरू अब उपलब्ध हैं नए आकर्षक रंगों में जैसे कि नारंगी, पीला और बैंगनी। सभी रंग अब खरीद के लिए उपलब्ध हैं, जिसकी शुरुआती कीमत ष्छत 619 है, वेस्टर्न डिजिटल स्टोर और अधिकृत ंदक्पोाघ रिटेलर्स, ई–टेलर्स, और वितरकों के माध्यम से खरीद सकते है। कंपनी ने सैनडिस्क डुअल ड्राइव पोर्टफोलियो को भी प्रदर्शित किया, जो 400 एमबी प्रति सैकिंड तक की जबरदस्त रफ्तार और 1 टीबी तक की बड़ी स्टोरेज क्षमता पेश करता है।

उत्तर मध्य रेलवे

ई-टेन्डर नं.: पी आर वाई जे - सिग-209-2024-25 दिनांक: 07.09.2024

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से वरिष्ठ मंडल संकेत एवं दूरसंचार / इंजीनियर / समन्वय / प्रयागराज द्वारा ई-टेन्डर के द्वारा पर्याप्त वित्तीय क्षमता एवं अनुभव सहित प्रतिष्ठित ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य के लिये खुली निविदा, ई-निविदा में वर्णित खुलने के दिनांक को 12.00 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं। कार्य का विवरण निम्न प्रकार है।

कार्य का विवरणः ए डी एस टी ई / इटावा के खण्ड में सेक्सनल सिगनलिंग मेन्टीनेन्स अनुबंध।	
अनुमानित मूल्य (₹) : ₹ 9456700.25	बिड सिक्योरिटी (₹) : ₹ 169100/-
कार्य समापन की अवधिः 12 माह	निविदा खुलने की तिथि : 07.10.2024

निविदा प्रपत्रों की उपलब्धताः निविदा प्रपत्र www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।
निविदा खुलने का समय, तिथि तथा स्थानः निविदा पूर्व निर्धारित तिथि को 12.30 बजे या उसके बाद ई-निविदा द्वारा मण्डल रेल प्रबंधक, प्रयागराज के कार्यालय में खोली जाएगी। अगर उस दिन किसी कारणवश कार्यालय बन्द रहे तो निविदा अगले दिन, कार्य दिवस पर खोली जाएगी। 1610/24 (A)

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

संक्षिप्त

राहुल गांधी के आरक्षण पर दिए गए बयान पर मायावती का पलटवार, कहा, जब कांग्रेस सत्ता में नहीं होती है तो....

लखनऊ, एजेंसी। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष मायावती ने बुधवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी आरक्षण के बारे में भ्रामक बयान दे रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि राहुल की कांग्रेस पार्टी ने ही केंद्र में अपने 10 साल के शासन के दौरान पदोन्नति में अनुसूचित जाति,अनुसूचित जनजाति आरक्षण विधेयक को पारित नहीं होने दिया। मिली जानकारी के मुताबिक, बसपा नेता ने एक्स पर कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी की अब यह सफाई कि वे आरक्षण के विरुद्ध नहीं हैं, स्पष्टतः गुमराह करने वाली गलतबयानी है। केंद्र में भाजपा से पहले इनकी 10 साल रही सरकार में उन्होंने समाजवादी पार्टी के साथ मिलकर एससीध्एसटी का पदोन्नति में आरक्षण विधेयक पारित नहीं होने दिया। उन्होंने कहा कि इनके द्वारा देश में आरक्षण की सीमा को 50 प्रतिशत से बढ़ाने की बात भी छलावा है क्योंकि इस मामले में अगर इनकी नीयत साफ होती तो कांग्रेस की पूर्ववर्ती सरकारों में यह कार्य जरूर कर लिया गया होता। कांग्रेस ने न तो ओबीसी आरक्षण लागू किया और न ही एससी,एसटी आरक्षण को सही से लागू किया। मायावती ने कहा कि इससे स्पष्ट है कि जब कांग्रेस सत्ता में नहीं होती है तो इन उपेक्षित एससी,एसटी,ओबीसी वर्गों के वोट के स्वार्थ की खातिर इनके हित व कल्याण की बड़ी–बड़ी बातें करती है, लेकिन जब सत्ता में रहती है तो इनके हित के विरुद्ध लगातार कार्य करती है। उन्होंने कहा कि लोग इनके इस षडयंत्र से सजग रहें। मायावती की बसपा आधिकारिक तौर पर न तो भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) का हिस्सा है और न ही विपक्षी दल 'इंडियाश गठबंधन का, जिसके प्रमुख भागीदार कांग्रेस और समाजवादी पार्टी हैं।

राष्ट्रीय सामाजिक कार्यकर्ता संगठन द्वारा वीर अब्दुल हमीद को श्रद्धांजलि

लखनऊ, एजेंसी। राष्ट्रीय सामाजिक कार्यकर्ता संगठन के संयोजक 'मुहम्मद अफाक' तथा उनके सहयोगियों ने आज लखनऊ कैंट क्षेत्र में स्थापित वीर अब्दुल हमीद की प्रतिमा के पास पहुँच कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। जिसमें मुख्य रूप से शराब बंदी संघर्ष समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष मुर्तजा अली, राष्ट्रीय भागीदारी आंदोलन के संयोजक पी सी कुरील, इसार फाउन्डेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष इरशाद अहमद सिद्दीकी, डाक्टर सईद कुरैशी, मुहम्मद अजीम इत्यादि उपस्थित थे। वीर अब्दुल हमीद, जो 1965 के भारत–पाकिस्तान युद्ध में अपनी वीरता और बलिदान के लिए परमवीर चक्र से सम्मानित हुए, को याद करते हुए सभी ने उनके राष्ट्रप्रेम और साहस को नमन किया। मुहम्मद अफाक ने इस अवसर पर कहा, भारत के मुस्लिम समाज ने हमेशा देशभक्ति का प्रमाण प्रस्तुत किया है। मुस्लिम समाज ने न केवल अपने देश के प्रति प्रेम और समर्पण दिखाया है, बल्कि कुर्बानियाँ देकर अपने कर्तव्यों का पालन भी किया है। वीर अब्दुल हमीद जैसी शख्सियतें हमें सिखाती हैं कि देश की रक्षा और सेवा किसी एक धर्म या जाति का कर्तव्य नहीं, बल्कि हर नागरिक की जिम्मेदारी है। उन्होंने यह भी कहा कि देश की आजादी और अखंडता को बनाए रखने के लिए भारतीय मुस्लिम समुदाय ने अपने योगदान और बलिदानों से हमेशा देश को मजबूत किया है। इस श्रद्धांजलि समारोह में उपस्थित सभी सदस्यों ने एकजुट होकर शहीदों की विरासत को बनाए रखने का संकल्प लिया। 'मुहम्मद अफाक' और उनके सहयोगियों ने अंत में देश की एकता, अखंडता और शांति के लिए प्रार्थना की और वीर अब्दुल हमीद के साहस को प्रेरणा मानते हुए उनके आदर्शों को जीवन में अपनाने की अपील की।

सबके लिए मोहम्मद एकता और शांति का पैगाम

लखनऊ, एजेंसी। बाजार खाला स्थित रिमझिम पैलेस में आयोजित एक कार्यक्रम में मोहम्मद (सलव) की जिंदगी और उनके किरदार पर बात की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता हजरत मौलाना खालिद रशीद फिरंगी महली साहब ने की, जिसमें उन्होंने मोहम्मद साहब की यतीमी वाली जिंदगी और उनके दुश्मनों पर भी हाथ नहीं उठाने की बात की। कार्यक्रम में इस्लाम के संदेश को फैलाया गया कि किसी भी मजहब की बुराई नहीं करनी चाहिए और सभी के साथ अच्छा पेश आना चाहिए। यह कार्यक्रम शहाबुद्दीन कुरैशी और समाज सेवी शारूख अजीज द्वारा आयोजित किया गया था। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य एकता और शांति का संदेश फैलाना था, जो आज के समय में बहुत जरूरी है। मोहम्मद साहब की जिंदगी और उनके किरदार से हमें बहुत कुछ सीखने को मिलता है, जैसे कि यतीमों की मदद करना, दुश्मनों पर भी हाथ नहीं उठाना, और सभी के साथ अच्छा पेश आना। कार्यक्रम में शामिल होने वाले लोगों ने कहा कि यह कार्यक्रम बहुत प्रेरणादायक था और इससे हमें एकता और शांति का संदेश मिला। हमें ऐसे कार्यक्रमों को और भी आयोजित करना चाहिए, ताकि हम एक दूसरे के साथ अच्छा पेश आ सकें और एकता और शांति को बढ़ावा दे सकें।

एक भोजपुरी रचना

रोज रोज जिनगी नया रूप धे के आवेले

कभी गुदुरावे कभी भरि भर पेट रोवावे ले,
रोज रोज जिनगी नया रूप धे के आवेले।

हिया हुलसावे कभी जिया जुड़वावे ले,
कब्बो कब्बो अंतरी अईंठ झुरवावे ले।

सुख भरमाई दुख देइ के रिगावे ले,
मिरगा जस पानी खातिर छाक छकवावे ले।

अलोता में खखोरि लाद खूब बतियावे ले,
फेरु भरल समाज जाइ हँसी उड़वावे ले।

बिहने के बांग देइ रतिया पेठावे ले,
रोज रोज जिनगी नया रूप धे के आवेले।

© राजेश ओझा 'धर्मशील'

सम्पादकीय.....

मणिपुर का जख्म

मणिपुर में भड़की हिंसा को एक साल से अधिक समय होने के बावजूद संकट के समाधान के गंभीर प्रयास होते नजर नहीं आ रहे हैं। राज्य सरकार के लगातार किए जा रहे दावे के बावजूद हिंसा थम नहीं रही है। आखिर कैसे कोई राज्य सरकार अपने नागरिकों के बीच लगातार जारी हिंसा, विस्थापन तथा सामान्य जीवन पर उपजे संकट के बावजूद निष्क्रिय नजर आती है। यह स्थिति डबल इंजन सरकार की तार्किकता को खारिज करती है। सबसे चिंता की बात यह है कि दोनों समुदायों के बीच संघर्ष का लाभ उग्रवादी तत्व उठाते नजर आ रहे हैं। उससे ज्यादा चिंताजनक यह कि वे अत्याधुनिक हथियारों का इस्तेमाल कर रहे हैं। हालात पर सरकार की कमजोर पकड़ के चलते म्यांमार सीमा में आवाजाही करने वाले चरमपंथी संगठनों को मणिपुर में अपना आधार मजबूत करने का मौका मिला है। जिन पर राज्य सरकार का हिंसा पर रोक लगाने के दावे का कोई असर होता नजर नहीं आता। तभी राष्ट्रविरोधी व चरमपंथी संगठनों को मजबूत आधार मिलने लगा है। दरअसल, जिन इलाकों में ज्यादा हिंसा हो रही है, वहां केंद्रीय सुरक्षा बलों की उपस्थिति को बढ़ाया जाना चाहिए था। यह बेहद चिंताजनक बात है कि चरमपंथी ड्रोन के जरिये बम व राकेटों से हमले कर रहे हैं। निस्संदेह, मणिपुर की हिंसा का देश–दुनिया में कोई अच्छा संदेश नहीं जा रहा है। ऐसे में राज्य सरकार राजधर्म का पालन करते नहीं दिखती। जिससे उसकी नीति–नीयत पर सवाल उठना लाजिमी है। दरअसल, सवाल केंद्र सरकार की कारगुजारियों को लेकर भी उठ रहे हैं। सवाल पूछे जा रहे हैं कि जब मौजूदा मुख्यमंत्री हिंसा शुरू हुए सवा साल बीत जाने के बाद भी हालात पर काबू नहीं कर पा रहे हैं तो केंद्र ने उनकी जगह सक्षम व्यक्ति को मौका क्यों नहीं दिया? अपने राजनीतिक व रणनीतिक उद्देश्यों के लिये भाजपा ने विगत में कई राज्यों में नेतृत्व परिवर्तन भी किये हैं।दरअसल, मणिपुर के मुद्दे पर विपक्ष भी लगातार केंद्र सरकार, खासकर प्रधानमंत्री पर हमलावर रहा है। सड़क से लेकर संसद तक प्रधानमंत्री के मणिपुर न जाने के मामले में सवाल उठाए जाते रहे हैं। कहा गया कि प्रधानमंत्री रूस व यूक्रेन के बीच जंग खत्म करने के लिये तो प्रयासरत रहे हैं, लेकिन अपने देश में मणिपुर समस्या के समाधान के प्रति उदासीन नजर आते रहे हैं। मणिपुर के मुद्दे पर उदासीनता तथा निष्क्रियता से उग्रवादियों को जड़ें जमाने का मौका मिल रहा है। जो कालांतर देश के लिये भी घातक साबित हो सकता है, क्योंकि ये हिंसा पूर्वोत्तर के अन्य राज्यों में भी असर दिखा सकती है। यही वजह है कि हाल की हिंसा के बाद मुख्यमंत्री बीरेन सिंह ने राज्य की क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा के लिए केंद्र सरकार से कदम उठाने की मांग की है। इतना ही नहीं, उन्होंने केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों सहित एकीकृत कमान का प्रभार राज्य सरकार को सौंपने की बात भी कही है। निश्चित रूप से मैतई व कुकी समुदायों में जारी संघर्ष को समाप्त करने के लिये बातचीत शुरू करने की जरूरत है। सवाल उठे हैं कि राज्य में लोकसभा चुनाव में पार्टी की शिकस्त के बावजूद नेतृत्व परिवर्तन पर विचार क्यों नहीं किया गया? आखिर केंद्र व राज्य सरकार ने लंबे समय से स्थितियों को यूं ही क्यों चलने दिया? सवाल उठाये जाते हैं कि प्रधानमंत्री ने मणिपुर जाने का निर्णय क्यों नहीं लिया? मुख्यमंत्री बीरेन सिंह की दलील रही है कि प्रधानमंत्री ने गृहमंत्री को राज्य में भेजा और अपनी चिंता का उल्लेख स्वतंत्रता दिवस के भाषण में किया था। निश्चित रूप से ऐसी कोशिशें मणिपुर की हिंसा को खत्म करने में मददगार साबित नहीं हुई हैं। खासकर पिछले दिनों चरमपंथियों द्वारा बमबारी के लिये ड्रोन व राकेट के इस्तेमाल ने सुरक्षा बलों की चिंता को बढ़ाया है। निश्चित रूप से हिंसा पर अंकुश लगाने व कानून का शासन बहाल करने के लिये केंद्र व राज्य को अपनी रणनीति में बदलाव करना चाहिए। साथ ही संघर्षरत पक्षों को बातचीत की मेज पर लाने की भी कोशिश नये सिरे से होनी चाहिए। निस्संदेह, मणिपुर की रक्षा के लिये प्रधानमंत्री का सीधा हस्तक्षेप अपरिहार्य ही है।

जम्मू-कश्मीर चुनावों के अनेक पहलू

हरिहर स्वरूप

1962 से पहले, 1957 में जम्मू–कश्मीर के चुनाव या 1951 में संविधान सभा (जम्मू–कश्मीर का संविधान बनाने के लिए चुने गये प्रतिनिधियों का एक निकाय) के चुनाव कराने के लिए चुनाव आयोग जिम्मेदार नहीं था।

18 सितंबर से 1 अक्टूबर, 2024 के बीच जम्मू और कश्मीर में दस साल बाद पहली बार विधानसभा चुनाव होंगे – 2019 में अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के पांच साल बाद पहली बार। 5 अक्टूबर को होने वाले हरियाणा विधानसभा चुनावों के साथ–साथ जम्मू और कश्मीर की 90 विधानसभा सीटों के लिए भी चुनाव हो रहे हैं, जो राज्य में 1962 के विधानसभा चुनावों के समान हैं – जो केंद्र शासित प्रदेश बन गया है। 1962 के चुनाव उस साल फरवरी और अप्रैल के बीच देश भर में लोकसभा और राज्य विधानसभा चुनावों के साथ–साथ हुए थे। स्वतंत्रता के बाद से जम्मू–कश्मीर का तीसरा चुनाव होने के बावजूद, 1962 के चुनाव भारत के चुनाव आयोग द्वारा पहली बार कराये गये थे। 1962 से पहले, 1957 में जम्मू–कश्मीर के चुनाव या 1951 में संविधान सभा (जम्मू–कश्मीर का संविधान बनाने के लिए चुने गये प्रतिनिधियों का एक निकाय) के चुनाव कराने के लिए चुनाव आयोग जिम्मेदार नहीं था। 17 नवंबर, 1956 को संविधान सभा ने भारत के संविधान के तहत जम्मू–कश्मीर के संविधान को अपनाया। यह निर्णय 26 जनवरी, 1957 को लागू हुआ, जबकि पूरे भारत में आम चुनाव की तैयारी चल रही थी। हालांकि, 1957 में जम्मू–कश्मीर विधानसभा के चुनाव भी राज्य के संविधान के अनुसार ही हुए थे, लेकिन उनकी देखरेख सदर–ए–रियासत द्वारा नियुक्त चुनाव आयोग द्वारा की गयी थी। 26 जनवरी, 1960 को चुनाव कार्य को चुनाव आयोग को सौंपने के लिए राज्य के संविधान में संशोधन किया गया। जम्मू–कश्मीर 2024 में होने वाले चुनावों की तरह सुर्खियों में नहीं था। 71 रिटर्निंग ऑफिसर और 40 सहायक रिटर्निंग ऑफिसर चुनावों का प्रबंधन कर रहे थे, और 18 लाख से ज्यादा मतदाता थे।विधानसभा में सीधे चुनाव से 100 सदस्य थे, लेकिन 25 सीटें खाली रखी गयीं और पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू–कश्मीर के इलाके को परिसीमन से बाहर रखा गया। दिलचस्प बात यह है कि पहले जम्मू–कश्मीर में 67 एकल–सदस्यीय निर्वाचन क्षेत्र और चार दो–सदस्यीय निर्वाचन क्षेत्र थे। लेकिन 1961 में, देश के दूसरे हिस्सों की तरह, दो–सदस्यीय निर्वाचन क्षेत्रों को समाप्त कर दिया गया और अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजातियों के लिए सिर्फ एक सदस्य वाली सीटों पर ही आरक्षण दिया गया। जम्मू–कश्मीर में भी चार दो–सदस्यीय निर्वाचन क्षेत्रों को आठ एक–सदस्यीय सीटों में विभाजित कर दिया गया जिससे कुल सदस्य सीटों की संख्या 75 हो गयी। चुनाव आयोग के लिए 1962 के चुनाव कार्यक्रम को तय करने में सबसे बड़ी बाधा जम्मू–कश्मीर में मौसम था। दूसरी चुनौती यह थी कि इन चुनावों को पूरे भारत में लोकसभा और राज्य विधानसभा चुनावों के साथ–साथ आयोजित किया जाये। हालांकि चुनाव आयोग ने महसूस किया कि बर्फ से ढंके राज्य में चुनाव कराने के लिए अप्रैल सबसे उपयुक्त महीना था, लेकिन जम्मू क्षेत्र में 24 फरवरी को मतदान हुआ, जबकि कश्मीर और लद्दाख क्षेत्रों ने 15 मार्च, 1962 को अपने सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार का प्रयोग किया। यह निर्णय लिया गया कि पूरी चुनाव प्रक्रिया 31 मार्च से पहले पूरी कर ली जायेगी। 1957 के विधानसभा चुनावों में, राज्य की प्रमुख राजनीतिक पार्टी जम्मू और कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस (जेकेएनसी) के उम्मीदवार 43 सीटों पर निर्विरोध चुने गये। उस चुनाव में 75 विधानसभा सीटों में से जेकेएनसीने 69, प्रजा परिषद ने पांच और हरिजन मंडल ने एक सीट जीती। जेकेएनसी का चुनाव चिन्ह कांग्रेस जैसा ही था– एक जूआ ढोने वाले बैलों की जोड़ी। प्रजा परिषद का चुनाव चिन्ह उगता हुआ सूरज था, जबकि हरिजन मंडल का चुनाव चिन्ह खड़ा हुआ शेर था। 1962 के चुनावों में, जेकेएनसी के उम्मीदवार 34 सीटों पर निर्विरोध चुने गये। 41 अन्य निर्वाचन क्षेत्रों में 140 उम्मीदवारों ने चुनाव लड़ा। इन 41 सीटों में से जेकेएनसी ने 36, प्रजा परिषद ने तीन और दो निर्दलीय उम्मीदवारों ने शेष दो सीटें जीतीं। अन्य दलों की जमानतें जब्त हो गयीं। चार निर्वाचन क्षेत्रों में कुछ मतदान केंद्रों में गंभीर अनियमितताओं के आरोपों के कारण नये सिरे से चुनाव कराने का आदेश दिया गया। मतदाता सूची और 1,223 मतदान केंद्रों की स्थापना सहित चुनाव पर राज्य द्वारा किया गया खर्च केवल 2,92,649 रुपये था। जेकेएनसी के चुनावों में जीत के साथ, जम्मू–कश्मीर के पीएम बख्शी गुलाम मोहम्मद राज्य का नेतृत्व करते रहे। हालांकि, ये चुनाव विवादों से अछूते नहीं रहे। कुछ विपक्षी दलों ने चुनावों का बहिष्कार करने की धमकी दी। आरोप लगाया गया कि ये 'स्वतंत्र और निष्पक्ष' नहीं थे। प्रजा सोशलिस्ट पार्टी और जीएम सादिक की वामपंथी डेमोक्रेटिक नेशनल कॉफ्रें स ने एक संयुक्त बयान जारी कर कहा था कि श्सत्तारूढ़ नेशनल कॉन्फ्रेंस प्रांतीयवाद और क्षेत्रवाद की भावना को हवा दे रही हैश और घोषणा की कि वे चुनावों का बहिष्कार कर रहे हैं। हालांकि, पीएसपी ने छह सीटों पर और डीएनसी ने 20 सीटों पर चुनाव लड़े, दोनों एक भी सीट हासिल करने में असफल रहे।

हिंदुस्तान से लिंचिस्तान!

राजेन्द्र सर्मा

गोरक्षा के नाम पर, हरियाणा में फरीदाबाद में अठारह–उन्नीस साल के, बारहवीं कक्षा के छात्र, आर्यन मिश्र की हत्या की वारदात के बाद, अगर किसी को यह लग रहा हो कि कम से कम अब, गोरक्षा की आड़ में भीड़ हिंसा तथा भीड़ हत्याओं का सिलसिला थम जाएगा, तो अब उसकी यह गलतफहमी दूर हो जानी चाहिए। ऐसा सिर्फ इसलिए नहीं है कि जिस कार में आर्यन था उसका तीस किलोमीटर तक गोलियां चलाते हुए पीछा करने वाले और अंततरू उसे नजदीक से गोली मारने वाले गिरोह के सरगना, अनिल कौशिश ने बाद में जब आर्यन के घरवालों के सामने अपनी श्श्गलतीश्श मानी और घटना पर पछतावा जताया, तो यह सिर्फ इसका पछतावा था कि मुसलमान के धोखे में, उनके हाथों से एक हिंदू ब्राह्मण लड़का मारा गया था! ऐसा सिर्फ इसलिए भी नहीं है कि पुलिस शुरूआत में सुलह–समझौते की कोशिश करते हुए, मृतक के परिजनों को इसी पर कन्विंस करने में लगी हुई थी कि आर्यन की मौत एक श्श्गलतीश्श थी और यह गलती करने वाले श्श्भले लोगश्श थे, जिनकी शराफत का इससे बड़ा सबूत और क्या होगा कि वे खुद ही गलती होने की बात मान रहे थे! और ऐसा सिर्फ इसलिए भी नहीं है कि सत्ताधारी संघ–भाजपा द्वारा नियंत्रित मीडिया द्वारा अनदेखी के जरिए, इस भयावह त्रासदी को कानून व व्यवस्था का मामूली मामला बनाने की ही कोशिश नहीं की गयी है, इन पंक्तियों के लिखे जाने तक न तो शासन के किसी प्रतिनिधि ने पीड़ित परिवार की सुध लेने की जरूरत समझी थी और न ही सत्ताधारी संघ–भाजपा जोड़ी का कोई अदना नेता तक उनसे मिलने गया था। यहां तक कि पीड़ित परिवार के लिए मुआवजे की रुटीन घोषणा तक नहीं की गयी थी। इस हृदय विदारक कांड के किसी खास असर को लेकर किसी गलतफहमी की गुंजाइश न होने की सबसे बड़ी वजह यह है कि खुद को गोरक्षक बताने वाले इस तरह के गोगुंडों का असली सामाजिक–राजनीतिक–वैचारिक सहारा, कथित संघ परिवार इस त्रासदी से जरा सा भी विचलित नजर नहीं आता है। उल्टे स्वघोषित संघ परिवार के निर्विवाद संचालक, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ या आरएसएस के शीर्ष नेताओं में से एक, इंद्रेश कुमार पटना में संवाददाताओं से बातचीत करते हुए, मॉब लिंचिंग की भयावह घटनाओं को यह कहकर मामूली बनाते ही दिखाई दे रहे थे कि लिंचिग किसी की भी नहीं होनी चाहिएरू श्न कोई इंसान की लिंचिंग और न कोई गाय की लिंचिंग! इस तरह वह नरहत्या को गोहत्या में बराबरी ही स्थापित नहीं कर रहे थे, वास्तव में गोरक्षा के लिए, मानवहत्या को वैध सही ठहराने की कोशिश कर रहे थे। आरएसएस के आला नेता से संवाददाताओं ने जब कथित गोरक्षकों द्वारा लिंचिंग की बार–बार होती घटनाओं के बारे में पूछा, जिसके लिए विपक्षी पार्टियां भाजपा के उभार को जिम्मेदार मानती हैं, इंद्रेश कुमार का जवाब थारू श्देश और दुनिया के कई हिस्सों में लोग मांस खाते हैं। लेकिन, हमें यह मानना पड़ेगा कि गायों को लेकर लोग संवेदनशील हैं। इसलिए, हमें ऐसा वातावरण बनाने की कोशिश करनी चाहिए जहां कोई गाय की लिंचिंग न हो और इंसान की लिंचिंग न हो। हमें, विविधता में एकता का आनंद मनाना चाहिए।श यानी जब तक गोकशी होती रहेगी, तब तक उसके जवाब में इंसानों की लिंचिंग होती रहेगी! फिर याद दिला दें कि इंद्रेश कुमार ने यह बयान, कथित गोरक्षकों द्वारा मॉब लिंचिंग की घटनाओं में मोदी–3.0 आने के साथ आयी तेजी की पृष्ठभूमि में दिया था, आर्यन मिश्रा की हत्या जिस सिलसिले की ताजातारीन कड़ी है। इससे चंद रोज ही पहले, हरियाणा में ही चरखी–दादरी में कथित गोरक्षकों ने कूड़ा बीनकर गुजारा करने वाले, दो गरीब बंगाली मुसलमान मजदूरों की दिन–दहाड़े, एक सार्वजनिक जगह पर लिंचिंग की थी, जिसमें साबिर मलिक की मौत हो गयी और असीमुद्दीन को मरा हुआ समझकर छोड़ दिया गया। इस बार मॉब लिंचिंग का बहाना कथित रूप से इसका शक था कि उन्होंने गोमांस खाया हो सकता है। वास्तव में मॉब लिंचिंग से दो–तीन रोज पहले, कथित गोरक्षकों ने इन के खिलाफ गोमांस खाने की आशंका जताते हुए शिकायत भी की थी, जिस पर पुलिस ने उनकी झोंपड़ियों पर दबिश देकर, वहां मिला मांस इसका पता लगाने के लिए जांच के लिए भेज भी दिया था कि वह किस जानवर का मांस था। लेकिन, गड़बड़ी की संभावना के इस अत्यंत स्पष्ट संकेत के बावजूद, हरियाणा पुलिस ने सतर्कता के कोई कदम उठाने की जरूरत ही नहीं समझी। कथित गोरक्षकों ने इसे अपने मन की करने का संकेत माना और मांस के परीक्षण की रिपोर्ट का इंतजार करने के बजाए, दोनों का जबरन अपहरण कर लिया और फिर एक सार्वजनिक स्थल पर ले जाकर, लाठी–डंडों से कातिलाना पिटाई की। पुनः, अपने संघ परिवारी नेता, इंद्रेश कुमार के ही सुर में सुर मिलाते हुए, हरियाणा की भाजपा सरकार के मुख्यमंत्री, नायब सैनी ने एक प्रकार से गोमांस खाने के शक को, नरहत्या के लिए पर्याप्त उकसावा बता दिया। इंद्रेश कुमार की ही तरह, भाजपायी मुख्यमंत्री ने लिंचिंग की घटना को श्श्दुर्भाग्यपूर्णश्श कहा तो जरूर, लेकिन इस दरिंदगी के लिए तथाकथित गोरक्षकों की निंदा करने की उन्होंने कोई जरूरत नहीं समझी। उल्टे सैनी ने प्रकारांतर से इस मामले में अपनी पुलिस तथा प्रशासन की घोर विफलता को एक प्रकार से स्वाभाविक ही करार देते हुए कहा कि ऐसी बातों से लोगों की भावनाएं आहत होती हैं। इसीलिए, उनकी सरकार ने गोरक्षा के लिए कड़ा कानून बनाया था। इस मुद्दे पर कोई समझौता नहीं किया जा सकता है। और अंत में यह कि गांवों में लोगों की भावनाएं भड़क जाएं, तो कौन रोक सकता है? दूसरी ओर, भाजपायी मुख्यमंत्री ने जोर देकर दावा किया कि चरखी–दादरी में जो हुआ, उसे मॉब लिंचिंग कहना गलत था। शायद सैनी के अनुसार, यह क्रिया की स्वाभाविक प्रतिक्रिया का मामला थाकृगोमांस खाने के शक में हत्या! हरियाणा में लिंचिंग की इन हालिया घटनाओं से और खासतौर पर चरखी–दादरी और फरीदाबाद की कथित गोरक्षकों द्वारा हत्या की घटनाएं जिस तरह, एक के फौरन बाद दूसरी हुई हैं, उनसे इसकी आशंका होना अस्वाभाविक नहीं है कि इन घटनाओं का, अगले ही महीने के आरंभ में होने जा रहे, हरियाणा के विधानसभाई चुनावों से संबंध हो सकता है। यह किसी से भी छुपा हुआ नहीं है कि हरियाणा में भाजपा को एक खासतौर पर कठिन चुनाव का सामना करना पड़ रहा है। वास्तव में इसी राजनीतिक–सामाजिक प्रतिकूलता का पूर्वानुमान कर, संघ–भाजपा जोड़ी इस राज्य में भी, जहां मुस्लिम आबादी अधिक नहीं है, अपने पीछे हिंदुओं को गोलबंद करने के लिए, सांप्रदायिक ध्रुवीकरण की कोशिशों में लगी रही है। खासतौर पर मुस्लिम आबादी के केंद्रीयकरण की पॉकेट, मेवात के इलाके को केंद्रित कर, गोरक्षा के नाम पर खासतौर पर हिंसक गिरोहों को संगठित किया गया है, जिनकी गतिविधियों ने मेवात के इलाके को देश की मॉब लिंचिंग की राजधानी ही बना दिया है। इसी सिलसिले के हिस्से के तौर पर, पिछले ही साल फरवरी में कथित गोरक्षकों द्वारा नासिर और जुनैद की बर्बरतापूर्वक हत्या कर दी गयी थी। बाद में अगस्त के आरंभ में नूंह में कथित ब्रज मंडल शोभायात्रा के नाम पर, बाकायदा दंगा भी कराया गया था, जिसका समापन भाजपा सरकार की पुलिस की पूरी तरह से पक्षपातपूर्ण मुस्लिम–विरोधी कार्रवाई के साथ हुआ था। उधार गुड़गांव में खुले में नमाज को रोकने के नाम पर, उकसावेपूर्ण मुस्लिमविरोधी मुहिम चलायी जाती रही है। खासतौर पर किसान आंदोलन की पृष्ठभूमि में, ध्रुवीकरण की इन कोशिशों के खास सफल न होने के बाद अब, कथित गोरक्षकों के सहारे चुनाव से ऐन पहले एक बार फिर सांप्रदायिक ध्रुवीकरण का दांव आजमाया जा रहा है। लेकिन, यह सब सिर्फ चुनावी चिंताओं का मामला ही नहीं है। वास्तव में आम चुनाव के नतीजे आने के बाद से, गोरक्षा के नाम पर मॉब लिंचिंग के मामलों में उल्लेखनीय तेजी आयी है। चुनाव नतीजों के बाद इसकी शुरूआत छत्तीसगढ़ से हुई थी, जहां ट्रक ड्राइवर तथा क्लीनर समेत तीन लोगों की कथित गोरक्षकों ने पीछा कर के हत्या कर दी थी। लेकिन बाद में, जैसाकि भाजपा–शासित राज्यों में आम है, पुलिस की जांच में यह नतीजा पेश कर दिया गया और तत्परता से सरकार द्वारा उसका अनुमोदन भी कर दिया गया कि दो मरने वाले, खुद ही पुल से नदी में कूद गए थे! गोरक्षकों ने तो उनका पीछा भर किया था! उसके बाद से विभिन्न राज्यों में कथित गोरक्षकों द्वारा मॉब लिंचिंग की अनेक घटनाएं हो चुकी हैं। मॉब लिंचिंग की ये घटनाओं, जिनमें अक्सर दोषियों के खिलाफ समुचित कार्रवाई नहीं होती है और तरह–तरह के बहानों से की जाने वाली बुलडोजर कार्रवाइयों आदि से मिलकर, मुसलमानों के खिलाफ एक प्रकार से राजनीतिक–चुनावी बदला लिए जाने का वातावरण बन रहा है।

राहुल गांधी की बातों से परेशानी क्यों

कांग्रेस सांसद और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर भाजपा एक बार फिर हमलावर हो गई है। राहुल गांधी इस समय अमेरिका की यात्रा पर हैं। इस दौरान टेक्सास प्रांत के डलास शहर में भारतीय समुदाय और टेक्सास विश्वविद्यालय के छात्रों को संबोधित करते हुए जो विचार राहुल गांधी ने रखे, वो भाजपा को नागवार गुजर रहे हैं। लिहाजा एक बार फिर राहुल गांधी को देशविरोधी, देशद्रोही, भारत का अपमान करने वाला, आदि कहा जा रहा है। दरअसल श्री गांधी ने अपने संबोधनों में भारत के विचार को केंद्र में रखते हुए कुछ महत्वपूर्ण बिंदु उठाए। इसके साथ ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विचारों पर भी टिप्पणी की, यही बात भाजपा नेताओं को इतनी खटक गई कि देश में निर्वाचित सांसद और नेता प्रतिपक्ष को देशविरोधी कहा गया। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भारतीय समुदाय के बीच अपने संबोधन में कहा कि उनकी भूमिका भारतीय राजनीति में प्रेम, सम्मान और विनम्रता के मूल्यों को स्थापित करने की है। उन्होंने माना कि लगभग सभी दलों में प्रेम, सम्मान और विनम्रता का अभाव नजर आता है और इसे ही दूर करने में अपनी भूमिका को उन्होंने रेखांकित किया। उन्होंने धर्म, जाति, समुदाय, राज्य या भाषा के बंधनों से परे सभी से प्रेम की जरूरत पर बल दिया, इसके साथ ही कहा कि हर उस व्यक्ति का सम्मान होना चाहिए जो भारत का निर्माण करने का प्रयास कर रहा है। विनम्रता केवल दूसरों में नहीं, बल्कि स्वयं में होनी चाहिए। राहुल गांधी ने ये भी कहा कि, आरएसएस मानता है कि भारत एक विचार है। हम मानते हैं कि भारत विचारों की विविधता वाला देश है। हम अमेरिका की तरह मानते हैं कि हर किसी को सपने देखने का अधिकार है, सबको भागीदारी का मौका मिलना चाहिए और यही लड़ाई है। राहुल गांधी ने भारतीय परंपरा के मूल्यों के साथ–साथ संविधान की महत्ता को स्थापित किया, क्योंकि संविधान भी एक की नहीं, अनेकता में एकता की बात करता है। लेकिन भाजपा ने इस भाषण पर राहुल गांधी को घेर लिया। भाजपा सांसद गिरिराज सिंह ने कहा कि आरएसएस को जानने के लिए राहुल गांधी को कई जन्म लेने पड़ेंगे। कोई देशद्रोही आरएसएस को नहीं जान सकता। जो विदेशों में जाकर देश की निंदा करे वो आरएसएस को नहीं जान सकता। लगता है कि राहुल गांधी भारत को बदनाम करने के लिए ही विदेश जाते हैं। भाजपा सांसद के इस तिलमिलाहट भरे प्रत्युत्तर से कुछ सवाल उपजते हैं। जैसे, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर की गई किसी टिप्पणी पर संघ की ओर से बयान आने से पहले ही भाजपा क्यों जवाब दे रही है। राहुल गांधी अगर भारत में कई विचारों के सम्मान की बात करते हैं, तो भाजपा को यह बात क्यों नागवार गुजर रही है। क्या भाजपा यह मानने लगी है कि भाजपा और संघ का साथ देना देशप्रेम है और अभिव्यक्ति की आजादी के अंतर्गत अपने विचारों को प्रकट करना देशविरोधी गतिविधि है। बहरहाल, राहुल गांधी ने टेक्सास विश्वविद्यालय के छात्रों से बातचीत के दौरान बेरोजगारी दूर करने के जो तरीके बताए या भारत में उत्पादन गति धीमी होने और चीन के इस मामले में आगे निकलने के जो बयान दिए, उन पर भी भाजपा ने आरोप लगाया कि ये भारत का अपमान है। भाजपा की बेचैनी उस वक्त और खुलकर सामने आ गई, जब ओवरसीज इंडियन कांग्रेस के प्रमुख सैम पित्रोदा की एक टिप्पणी को अधूरे संदर्भ के साथ भाजपा ने पेश किया। दरअसल राहुल गांधी के बारे में सैम पित्रोदा ने कहा कि उनके पास एक दृष्टिकोण है। हालांकि भाजपा ने करोड़ों रुपये खर्च किए राहुल गांधी की छवि खराब करने के लिए, लेकिन वो पप्पू नहीं हैं, जैसा भाजपा बताती है। राहुल काफी शिक्षित इंसान हैं, उन्हें मुद्दों की गहरी समझ है, वे काफी पढ़े–लिखे व्यक्ति हैं और वे एक रणनीतिकार हैं। जाहिर है सैम पित्रोदा ने राहुल गांधी की तारीफ की और बताया कि भाजपा ने उनकी छवि जैसी बनाई है, वो वैसे नहीं हैं। लेकिन भाजपा आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने इसी बयान के एक अंश को साझा कर तंज कसा कि कल्पना कीजिए कि कोई राहुल गांधी का परिचय इस तरह से करा रहा हो कि वो पप्पू नहीं हैं और सैम पित्रोदा ने यह कर दिखाया है। इस टिप्पणी के साथ भाजपा ने अधूरी बातों के साथ भ्रामक जानकारी संभवतरू इस उद्देश्य से फैलाई कि इसका लाभ उसे मिलेगा। लेकिन सोशल मीडिया के इस दौर में जितना आसान गलत बातों को प्रसारित करना है, उतना ही आसान तथ्यों की पड़ताल करना भी है। लिहाजा दूध का दूध और पानी का पानी होने में वक्त नहीं लगता। इससे पहले चुनावों के वक्त भी सैम पित्रोदा की एक टिप्पणी को लेकर भाजपा हमलावर हुई थी, जब उन्होंने कहा था कि श्हम भारत जैसे विविधता से भरे देश को एकजुट रख सकते हैं, जहां पूर्व में रहने वाले लोग चाइनीज जैसे दिखते हैं, पश्चिम में रहने वाले अरब जैसे दिखते हैं, उत्तर में रहने वाले मेरे ख्याल से गोरे लोगों की तरह दिखते हैं, वहीं दक्षिण में रहने वाले अफ्रीकी जैसे लगते हैं। इससे फर्क नहीं पड़ता. हम सब भाई–बहन हैं। इस टिप्पणी को नस्लभेदी कहा गया, जबकि सैम पित्रोदा ने बताया था कि भारत में रंग–रूप की विविधता होने पर भी कोई फर्क नहीं है, सभी भारतीय एक हैं। दरअसल अंग्रेजी में कही बातों का जब अनुवाद होता है, तो कई बार सही संदर्भ में बातें सामने नहीं आ पाती। लेकिन अभी भाजपा जिस तरह से राहुल गांधी को घेर रही है, उसमें ऐसा लगता है कि भाजपा को समझ तो सब आ रहा है, लेकिन फिर भी वह कांग्रेस और राहुल गांधी को घेरने के लिए इस तरह के मिथ्या आरोप लगा रही है। हालांकि लोकसभा चुनावों के नतीजों के बाद भाजपा को अपनी राहुल विरोधी इस रणनीति को बदल लेना चाहिए। जितनी बार राहुल गांधी पर भाजपा सवाल उठाएगी, उससे कहीं ज्यादा सवाल भाजपा के शासनकाल और प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व पर उठेंगे। क्योंकि श्री गांधी जनता से जुड़े मुद्दों पर ही बात कर रहे हैं, और सवाल कर रहे हैं। फिर चाहे वह देश में करें या अमेरिका में करें।

एक्सीडेंट का शिकार हुईं 'पुष्पा गर्ल' रश्मिका मंदाना, खुद बताया अब कैसा है हाल, फैंस परेशान

साउथ फिल्मों की क्यूट एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना देखते ही देखते नेशनल क्रश बन गई। अपनी कई हिट फिल्मों के चलते उन्होंने बॉलीवुड में भी अपनी अलग जगह बना ली। 'पुष्पा गर्ल' के नाम से मशहूर तैउपां डंदकंददं अपनी एक्टिंग से लोगों का दिल तो जीतती ही हैं, इसके साथ ही वो अपनी क्यूटनेस का जादू भी चलाती हैं। रश्मिका की तगड़ी फैन फॉलोइंग हैं। 'एनिमल' में लीड हीरोइन का किरदार निभाने के बाद से ही वो उत्तर भारत में भी काफी पसंद की जाने लगी हैं। रश्मिका सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं, लेकिन बीते कुछ दिनों से वो नदारद नजर आईं। अब इसकी वजह एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए ही बताई हैं। उन्होंने बताया कि वो एक हादसे का शिकार हो गईं, जिसके चलते वो घर पर ही हैं। इस खबर के सामने आने के बाद एक्ट्रेस के फैंस काफी परेशान हो गए। एक्ट्रेस ने अपनी एक क्यूट तस्वीर सोशल मीडिया पर पोस्ट की है और बताया कि बीते महीने उनका एक्सीडेंट हो गया था, जिसके चलते वो डॉक्टर की सलाह मानते हुए घर पर ही हैं। एक्ट्रेस ने अपने फैंस हेल्थ का ध्यान रखने के लिए भी कहा। उनका कहना है कि जिंदगी काफी छोटी है, ऐसे में कल हो या न हो। लंबे कैप्शन में उन्हों हालिया लाइफ अपडेट भी साझा की और अपने चाहने वालों का हालचाल भी पूछा है। रश्मिका मंदाना ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट के कैप्शन में लिखा, 'हे दोस्तों, आप कैसे हैं? मुझे पता है कि मुझे यहां आए हुए या सार्वजनिक रूप से देखे हुए काफी समय हो गया है.. पिछले महीने मैं ज़्यादा सक्रिय नहीं रही, इसका कारण यह है कि मेरा एक छोटा सा एक्सीडेंट हुआ था, (एक मामूली दुर्घटना) और मैं ठीक हो रही थी और डॉक्टरों के कहने पर घर पर ही रह रही थी। मैं अब बेहतर हूं और सिर्फ एक बात बता दूं दृ मैं बहुत ज्यादा सक्रिय होने के दौर से गुजर रही हूं, इसलिए मेरी गतिविधियों से निपटने के लिए आपको शुभकामनाएं। हमेशा अपना ख्याल रखना अपनी प्राथमिकता बनाइए!! क्योंकि जीवन बहुत नाजुक और छोटा है और हमें नहीं पता कि हमारा कल होगा या नहीं, इसलिए हर दिन खुशियाँ चुनें!!.. एक और अपडेट मैं बहुत सारे लड्डू खा रहा हूं..' एक्ट्रेस रश्मिका मंदान के फैंस उनकी हेल्थ को लेकर थोड़ा चिंतित हैं और लगाता कमेंट सेक्शन में पूछ रहे हैं कि उन्हें क्या, कब और कैसे हुआ। कई उनके

> "रश्मिका मंदाना ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट के कैप्शन में लिखा, 'हे दोस्तों, आप कैसे हैं? मुझे पता है कि मुझे यहां आए हुए या सार्वजनिक रूप से देखे हुए काफी समय हो गया है.. पिछले महीने मैं ज़्यादा सक्रिय नहीं रही, इसका कारण यह है कि मेरा एक छोटा सा एक्सीडेंट हुआ था, (एक मामूली दुर्घटना) और मैं ठीक हो रही थी और डॉक्टरों के कहने पर घर पर ही रह रही थी।

जल्द स्वस्थ होने की कामना भी कर रहे हैं। बता दें, एक्ट्रेस अब जल्द ही 'पुष्पा 2' में नजर आएंगी। इसके अलावा वो सलमान खान के साथ 'सिकंदर' में भी बतौर लीड एक्ट्रेस काम कर रही हैं। वहीं बात की जाए रश्मिका की पर्सनल लाइफ की तो वो इन दिनों अपनी लव लाइफ को लेकर चर्चा में रहती हैं। विजय देवरकोंडा संग उनकी केमिस्ट्री और अफेयर की अफवाहें छाई रहती हैं।

पेरिस फैशन वीक में डेब्यू के लिए तैयार आलिया भट्ट, ऐश्वर्या राय बच्चन सहित ये एक्ट्रेस भी होंगी शामिल!

आलिया भट्ट इन दिनों कई वजहों से चर्चा में हैं। अभिनेत्री बहुप्रतीक्षित फिल्म 'जिगरा' में अपने शानदार अभिनय से सिल्वर स्क्रीन पर धमाल मचाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। वहीं दूसरी ओर आलिया अब आगामी 'पेरिस फैशन वीक 2024' में अपना डेब्यू करने जा रही हैं। 2024 में मेट गाला में शानदार प्रदर्शन के बाद आलिया 23 सितंबर को प्रतिष्ठित प्लेस डे लश्ओपेरा में रनवे पर वॉक करेंगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, आलिया भट्ट श्पेरिस फैशन वीक 2024श में अपना डेब्यू करेंगी। वह 23 सितंबर को प्लेस डे लश्ओपेरा में रनवे पर चलेंगी। आलिया के साथ ऐश्वर्या राय बच्चन, लीला बेख्ती, मैरी बौचेट, सिंडी ब्रूना, वियोला डेविस, जेन फोंडा, लूमा ग्रोथ, केंडल जेनर, लिया केबेडे, अजा नाओमी किंग, ईवा लोंगोरिया, एंडी मैकडॉवेल, बेबे वियो और यसेल्ट शामिल होंगी।

'पेरिस फैशन वीक 2024' महिला सशक्तिकरण और बहनचारे का जश्न मनाएगा। 2017 के बाद से सातवीं बार, ले डिफाइल 'वॉक योर वर्थ' बहनचारे और अत्याधुनिक सौंदर्य विशेषज्ञता और फैशन के बीच तालमेल का जश्न मनाएगा। इस साल की रनवे थीम, 'वॉक योर वर्थ', अत्याधुनिक फैशन और सौंदर्य के बीच तालमेल को प्रदर्शित करेगी और दुनिया भर की महिलाओं के बीच एकजुटता को बढ़ावा देगी।

आलिया ने अपने डेब्यू के बारे में क्या कहा

इस इवेंट के लिए अपनी उत्सुकता व्यक्त करते हुए, आलिया भट्ट ने एक बयान में कहा, पहली बार हमेशा खास होता है और पेरिस फैशन वीक में लोरियल पेरिस के साथ ले डिफाइल के लिए वॉक करना मेरे लिए बेहद सम्मान की बात है। ऐसी प्रेरक, शक्तिशाली और आत्मविश्वासी महिलाओं के बीच होना मेरे लिए गर्व का क्षण है और मैं इस मंच पर उनके साथ जुड़ने का इंतजार नहीं कर सकती जो बहनचारे और सशक्तिकरण का जश्न मनाता है।

वर्क फ्रंट पर

आलिया श्जिगराश की रिलीज के लिए तैयार हैं। फिल्म में वेदांग रैना भी हैं और यह 11 अक्टूबर, 2024 को रिलीज होगी। फिल्म का निर्देशन वासन बाला ने किया है और इसे करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शंस और आलिया भट्ट के इटरनल सनशाइन प्रोडक्शंस ने प्रोड्यूस किया है। इसके अलावा, आलिया भट्ट के पास वाईआरएफ की श्अल्फाश पाइपलाइन में है, जिसमें वह शरवरी वाघ के साथ नजर आएंगी। वह संजय लीला भंसाली की श्लव एंड वॉरश में रणबीर कपूर और विक्की कौशल के साथ भी नजर आएंगी।

तमन्ना भाटिया ने बताया बॉलीवुड और साउथ फिल्मों में अंतर, एक्ट्रेस ने कही ये बात

बॉलीवुड, साउथ इंडस्ट्री और ओटीटी पर कई धमाकेदार परफॉर्मेंस देने वाली एक्ट्रेसृ ज्ंउंददी ठींजपं अपनी पिछली रिलीज 'स्त्री 2' की सफलता के मजे ले रही हैं। हिंदी के अलावा तमिल और तेलुगु भाषा में भी 'तमन्ना भाटिया ने काम किया है। अपने करियर में उन्होंने कई हिट डांस नंबर भी दिए हैं। अब हाल में ही तमन्ना ने राज शमनी के पॉडकास्ट पर अपने करियर के बारे में खुलकर बात की। अभिनेत्री ने बताया कि उनके अनुसार दक्षिण की फिल्में ज्यादा 'रूटेड' कहानियां बताती हैं, इसलिए वे दर्शकों को इतना पसंद आती हैं। 'रूटेड' से उनका मतलब था जमीन से जुड़ी हई कहानियां। हालिया बातचीत में होस्ट ने तमन्ना से पूछा कि बॉलीवुड की फिल्में साउथ की फिल्मों से किस तरह अलग हैं तो उन्होंने जवाब में कहा, 'मैंने जो अंतर देखा है, वह यह है कि साउथ की फिल्में अपने भौगोलिक स्थानों के संदर्भ में ज्यादा बात करती हैं। मुझे लगता है कि उनकी विषय–वस्तु मुख्य रूप से वैश्विक स्तर पर इसलिए अनुवादित हो रही है क्योंकि वे मूल कहानियों को बताने की कोशिश कर रही हैं। उन्होंने आगे कहा, 'वे लोगों में से कुछ को चुनने के नजरिए से काम नहीं करते। वे बुनियादी मानवीय भावनाओं, माँ, पिता से जुड़ी भाई, बहन से बदला लेने वाली कहानियों को चुनते हैं जो अलग–अलग कहानी कहने के फॉर्मेट के जरिए बुनियादी मानवीय भावनाओं के बारे में कई और कहानियां बताती हैं। वे अपने दृ ष्टिकोण को जिस तरह से पेश करना चाहते हैं, उसे लेकर भी बहुत चिंतित रहते हैं। वे अलग–अलग तरह के लोगों की सेवा करने की कोशिश नहीं कर रहे हैं। वे सिर्फ वही बताने की कोशिश कर रहे हैं जो वे पूरी तरह से जानते हैं। मुझे लगता है कि दक्षिण के लिए यह वाकई कारगर रहा है।'तमन्ना ने यह भी कहा कि बॉलीवुड में कई बार फिल्में 'सबके मनोरंजन' के लिए बनाई जाती हैं, जो शायद कारगर न हों। उन्होंने 'लापता लेडीज' की तारीफ की और कहा कि इसमें लोगों के बारे में बहुत अच्छी बातें कही गई हैं। एक्ट्रेस के काम की बात करें तो तमन्ना को आखिरी बार 'वेद' में देखा गया था। जॉन अब्राहम की फिल्म में उनका छोटा किरदार था। इसके अलावा वो 'स्त्री 2' में भी नजर आईं। इस फिल्म में उनका डांस नंबर था जो काफी हिट हुआ है और लोगों इस पर खूब रील्स बना रहे हैं। अब जल्द ही एक्ट्रेस तेलुगु फिल्म 'ओडेला 2' और वेब सीरीज 'डेयरिंग पार्टनर्स में नजर आएंगी।

शूटिंग के लिए अपने गांव पहुंचे गायक गुरु रंधावा, शेयर किया वीडियो

पंजाबी गायक गुरु रंधावा ने सोमवार को एक बिहाइंड द सीन (बीटीएस) वीडियो जारी किया। वीडियो में उन्होंने बताया कि वह अपने आगामी प्रोजेक्ट के लिए अपने होम ग्राउंड पंजाब में शूटिंग कर रहे हैं। रैपर ने इंस्टाग्राम पर एक रील वीडियो शेयर किया है। इसमें हम उन्हें हाफ स्लीव्स ग्रीन टी–शर्ट और ब्लैक डेनिम जींस पहने हुए देख सकते हैं। उन्होंने इस लुक को व्हाइट शूज पहनकर और भी बेहतरीन बना दिया है। वीडियो के बैकग्राउंड में गाय और भैंसें दिखाई दे रही हैं। आप उन्हें घर के अंदर आंगन में घूमते हुए देख सकते हैं। वीडियो के आखिर में वह पंजाब वाले नंबर की गाड़ी के साथ पोज दे रहे हैं। उन्होंने वीडियो पोस्ट कर कैप्शन में लिखा, पंजाब मेरे खून में...अपने होम ग्राउंड पर शूटिंग पंजाब के गुरदासपुर जिले से ताल्लुक रखने वाले गुरु को लाहौर, इशारे तेरे, स्लोली स्लोली और तेरे ते जैसे गानों के लिए जाना जाता है। उनका पहला गाना अर्जुन के साथ मिलकर बनाया गया सेम गर्ल था। उन्होंने 2013 में अपना पहला एल्बम पेज वन लॉन्च किया था, जिसमें तीन गाने दर्दां नु, आई लाइक यू और साउथॉल जारी किए थे। वहीं, रैपर और गायक बोहेमिया ने गुरु के साथ मिलकर पटोला गीत बनाया। इस गाने को यूट्यूब पर 368 मिलियन से अधिक व्यूज मिले हैं। रंधावा को तारे, सूट, हाई रेटेड गबरू, सुरमा–सुरमा, नाच मेरी रानी, डांस मेरी रानी, डिजाइनर, बन जा रानी जैसे गानों के लिए भी जाना जाता है। गुरु ने रोमांटिक कॉमेडी कुछ खट्टा हो जाए से अपने फिल्मी करियर की शुरुआत की थी। इस मूवी का निर्देशन जी. अशोक ने किया था। मच फिल्म्स के तहत निर्मित इस फिल्म को राज सलूज, निकेत पांडे और विजय पाल सिंह ने लिखा है और इसमें सई मांजरेकर ने मुख्य भूमिका निभाई है।

मिक्सी के जार से आती है लहसुन–प्याज की महक, तो इन टिप्स की मदद से मिनटों में दूर होगी गंध

भारतीय खाने का असली स्वाद मसालों से होता है। स्पाइसी खाना पसंद करने वाले लोगों के घरों में अधिकतर मसालेदार सब्जी बनी है। जिसके लिए प्याज–लहसुन को पीसा जाता है। लेकिन कई बार मिक्सर ग्राइंडर में लहसुन और प्याज पीसने से इसकी गंध जार में रह जाती है। ऐसे में अगर उस जार में कुछ और पीसा जाए, तो उसमें भी प्याज–लहसुन की महक आने लगती हैं। इसलिए आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको क्लीनिंग की कुछ आसान टिप्स देने जा रहे हैं। इन सिंपल टिप्स की मदद से मिक्सर ग्राइंडर के जार से बिलकुल भी लहसुन–प्याज की महक नहीं आएगी।

विनेगर और बेकिंग सोडा

बेकिंग सोडा और विनेगर दोनों को आप क्लींजर की तरह इस्तेमाल कर सकती हैं। साथ ही यह दोनों गंध को दूर करने में भी कारगर हैं। आप आधा कप विनेगर और एक चम्मच बेकिंग सोडा को जार में डाल लें। फिर जार को ऐसे ही 15–20 मिनट के लिए छोड़ दें। इसके बाद जार को पानी से अच्छे से साफ कर लें।

नींबू और बेकिंग सोडा या नींबू के छिलका और पानी

मिक्सी के जार से लहसुन और प्याज की महक दूर करने के लिए आप इसमें नींबू का रस और एक चम्मच बेकिंग सोडा डाल दीजिए। फिर इस जार में दोनों चीजों को अच्छी तरह से मिलाकर थोड़ी देर के लिए छोड़ दें। आखिर में जार को हल्के गुनगुने पानी से धो लें। इसके अलावा आप नींबू के छिलके की मदद से भी जार से प्याज–लहसुन की गंध को दूर कर सकती हैं। जार में नींबू के छिलके और थोड़ा पानी डालें। फिर मिक्सी को 1–2 मिनट तक चलाएं। इसके बाद जार को साफ पानी से धो लें।

सिरका और गरम पानी या नमक और सिरका

मिक्सर ग्राइंडर के जार से प्याज लहसुन की महक को खत्म करने के लिए आप विनेगर को गरम पानी या नमक दोनों के साथ इस्तेमाल कर सकती हैं। आधा कप सिरका और गरम पानी को जार में डालकर 10–15 मिनट के लिए छोड़ दें। फिर जार को साफ पानी से धो लें। अब थोड़ा सा नमक और सिरका डालकर 10 मिनट तक ऐसे ही रहने दें और फिर थोड़ी देर बाद इसको साफ कर लें।

कॉफी पाउडर

अगर आपके मिक्सर ग्राइंडर के जार से प्याज लहसुन की महक आ रही है, तो इससे छुटकारा पाने के लिए आप कॉफी पाउडर का इस्तेमाल कर सकती हैं। इसके लिए थोड़ा कॉफी पाउडर जार में डालकर कुछ देर के लिए छोड़ दीजिए। फिर जार को अच्छे से धोकर साफ कर लें।

सपने में नई नौकरी लगना किस बात का है संकेत देता हैं ?

हर व्यक्ति सोते समय कई तरह के सपने देखता है। इन सपनों का मनोवैज्ञानिक और आध्यात्मिक दृष्टिकोण से गहरा महत्व होता है। खासकर, जब कोई व्यक्ति सपने में नौकरी मिलने का दृश्य देखता है, तो इसे कई तरह से समझा जा सकता है। हिंदू धर्म में सपनों का विशेष महत्व है और स्वप्न शास्त्र के माध्यम से इन सपनों के अर्थ को समझा जाता है। आइए जानते हैं कि नौकरी मिलने के सपने का क्या मतलब हो सकता है।

स्वप्न शास्त्र और नौकरी मिलने के सपने का महत्व

स्वप्न शास्त्र के अनुसार, सपने हमारे अंतर्मन की गहराई से जुड़े होते हैं और वे हमारे वर्तमान मानसिक स्थिति, भावनात्मक दशा और भविष्य की संभावनाओं को दर्शाते हैं। जब हम सपने में नौकरी मिलने का दृश्य देखते हैं, तो यह विभिन्न संदर्भों में आ सकता है।

आर्थिक स्थिति में सुधार

अगर आप सपने में नौकरी प्राप्त करते हैं, तो यह संकेत हो सकता है कि आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार होने वाला है। यह सपना यह दर्शाता है कि आपके प्रयासों का फल मिलने वाला है और आपकी मेहनत का परिणाम सकारात्मक रूप से सामने आएगा।

आत्म–संवर्धन और आत्म–संयम

नौकरी मिलने का सपना यह भी दर्शा सकता है कि आप अपने व्यक्तिगत और पेशेवर जीवन में आत्म–संवर्धन और आत्म–संयम पर ध्यान दे रहे हैं। यह सपना आपको प्रेरित करता है कि आप अपनी क्षमताओं और कौशल को पहचानें और अपने लक्ष्यों की

दिशा में काम करें।

आत्म–विश्वास और भविष्य की योजनाए

यदि आप सपने में नौकरी प्राप्त करते हैं, तो यह आपके आत्म–विश्वास और भविष्य की योजनाओं के प्रति आपकी सकारात्मक सोच को भी दर्शा सकता है। यह सपना संकेत करता है कि आप अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए मानसिक रूप से तैयार हैं और आपकी योजनाएं सफल हो सकती हैं।

प्रोफेशनल और पर्सनल ग्रोथ

यह सपना यह भी दर्शा सकता है कि आप अपने पेशेवर और व्यक्तिगत जीवन में विकास और उन्नति की ओर बढ़ रहे हैं। यह आपके लिए एक संकेत हो सकता है कि आपकी मेहनत और लगन के परिणामस्वरूप नई अवसर और सफलता आपके सामने आ सकती है।

चिंताओं और दबाव से मुक्ति

कभी–कभी नौकरी मिलने का सपना यह भी दर्शा सकता है कि आप अपने जीवन में किसी प्रकार की चिंता या दबाव से मुक्ति प्राप्त कर रहे हैं। यह सपना संकेत कर सकता है कि आप अपने समस्याओं को हल करने में सक्षम हैं और आपको एक नई शुरुआत का मौका मिल सकता है।

सपनों का अर्थ स्वप्न शास्त्र के अनुसार समझना एक महत्वपूर्ण पहलू है जो हमें हमारे जीवन के विभिन्न पहलुओं को समझने में मदद करता है। नौकरी मिलने का सपना आपके आत्म–संवर्धन, आर्थिक स्थिति, आत्म–विश्वास और भविष्य की योजनाओं का प्रतीक हो सकता है। हालांकि, हर सपना व्यक्ति के जीवन की परिस्थितियों के आधार पर अलग–अलग अर्थ रख सकता है, इसलिए इसे एक संकेत के रूप में देखें और अपने व्यक्तिगत जीवन में ध्यान दें कि यह सपना आपकी वर्तमान स्थिति और भावनाओं से मेल खाता है या नहीं।

महिलाओं के मुकाबले ज्यादा दुखी हैं पुरुष, जिंदगी जीने की बजाय मौत को लगा रहे गले

परिवार की बुनियाद और काम के क्षेत्र में पुरुष को हमेशा अव्वल समझा जाता है, लेकिन असल में वह महिलाओं के मुकाबले बेहद कमजोर है। वह जिंदगी की चुनौतियों का सामना करने की बजाय मौत को गले लगा लेते हैं। आंकड़े के अनुसार औसतन एक लाख पुरुषों में से 12 पुरुष आत्महत्या करते हैं तो वहीं सालाना एक लाख में से 5 महिलाएं आत्महत्या करती हैं, इसके कई सामाजिक, मानसिक और आर्थिक कारण हैं। आत्महत्या एक गंभीर समस्या है, और इसे रोकने के लिए मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान देना, सामाजिक मान्यताओं को बदलना, और उचित समर्थन प्रदान करना बहुत जरूरी है। आइए इस पर विस्तार से चर्चा करते हैं।

पुरुषों में आत्महत्या के मामलों के बढ़ने के कारण

सामाजिक दबाव

समाज में अक्सर पुरुषों पर परिवार के आर्थिक, सामाजिक और भावनात्मक जिम्मेदारियों का अधिक दबाव होता है। उन्हें पारंपरिक रूप से ष्कमाने वालाष और समस्याओं का समाधान करने वाला माना जाता है। यह अपेक्षाएं उन्हें मानसिक तनाव में डाल देती हैं, क्योंकि वे अपनी समस्याओं को खुलकर व्यक्त नहीं कर पाते।

भावनात्मक अभिव्यक्ति में कठिनाई

पुरुषों से समाज में यह अपेक्षा की जाती है कि वे मजबूत बने रहें और भावनात्मक रूप से कमजोर न दिखें। इससे वे अपनी भावनाओं को दबाने लगते हैं और मानसिक समस्याओं को साझा करने में हिचकिचाते हैं। परिणामस्वरूप, मानसिक बीमारियों जैसे डिप्रेशन और चिंता का समय पर इलाज नहीं हो पाता।

मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच की कमी

कई बार पुरुष मानसिक स्वास्थ्य के लिए सहायता लेने से कतराते हैं, क्योंकि समाज में इसे कमजोरी के रूप में देखा जाता है। इसके अलावा, मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी या उनके प्रति जागरूकता की कमी भी इस समस्या को बढ़ा देती है।

आर्थिक तनाव

बेरोजगारी, आर्थिक समस्याएं, और करियर में असफलता पुरुषों पर गहरा असर डालती है। आर्थिक रूप से कमजोर होने का डर, करियर की अनिश्चितता और बढ़ती जिम्मेदारियों का दबाव आत्महत्या के मामलों में योगदान कर सकता है।

आत्मसम्मान की कमी

जब पुरुष अपने जीवन में व्यक्तिगत या पेशेवर विफलताएं झेलते हैं, तो उन्हें आत्मसम्मान में गिरावट महसूस होती है। यह विफलता मानसिक तनाव और आत्महत्या के विचारों को जन्म दे सकती है।

नशे की लत

कई पुरुष शराब, धूम्रपान, या अन्य नशीले पदार्थों का सेवन करते हैं, जो मानसिक स्वास्थ्य को और अधिक खराब कर देता है। नशे की लत अक्सर आत्महत्या के विचारों को प्रेरित करती है।

रिश्तों में समस्याएं

वैवाहिक समस्याएं, तलाक, या रिश्तों में टूटन भी पुरुषों में आत्महत्या के विचारों का कारण हो सकता है। पुरुष अक्सर इन रिश्तों की समस्याओं से जुड़े मानसिक और भावनात्मक तनाव का सामना अकेले करते हैं, जिससे उनका मानसिक स्वास्थ्य बिगड़ सकता है।

सोच में बदलाव कैसे लाया जा सकता है

भावनात्मक समर्थन और संवाद को बढ़ावा देना

यह जरूरी है कि पुरुषों को अपनी भावनाओं को व्यक्त करने के लिए प्रोत्साहित किया जाए। समाज को यह समझना चाहिए कि भावनाओं को साझा करना कमजोरी नहीं, बल्कि मानसिक मजबूती का प्रतीक है। परिवार, दोस्तों और सहयोगियों को पुरुषों को मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े मुद्दों पर बात करने के लिए प्रेरित करना चाहिए।

मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान देना

मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलानी होगी। पुरुषों को भी थेरेपी, काउंसलिंग, या मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ से परामर्श लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। कार्यालयों और संस्थानों में मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुँच को बढ़ाना भी महत्वपूर्ण है।

समाज में लिंग आधारित अपेक्षाओं को तोड़ना

समाज में यह धारणा बदलनी होगी कि पुरुषों को हमेशा मजबूत बने रहना चाहिए। उन्हें भी अपनी कमजोरियों और भावनाओं को स्वीकार करने का अधिकार है। लिंग–आधारित रूढ़ियों को खत्म करना और पुरुषों को बिना किसी दबाव के अपने जीवन को जीने की स्वतंत्रता देनी चाहिए।

सकारात्मक जीवन दृष्टिकोण विकसित करना

जीवन में असफलताओं और चुनौतियों को सकारात्मक रूप से देखने की आदत डालनी चाहिए। पुरुषों को सिखाया जाना चाहिए कि हर असफलता से सीखना महत्वपूर्ण है और इससे आत्मसम्मान पर कोई आंच नहीं आती। योग, ध्यान, और अन्य आत्म–सुधार तकनीकों को अपनाने से मानसिक शांति और आत्म–संवर्धन प्राप्त हो सकता है।

खेल और शारीरिक गतिविधियां

मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को मजबूत बनाए रखने के लिए पुरुषों को खेल और शारीरिक गतिविधियों में संलग्न होने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। यह मानसिक तनाव को कम करने और आत्महत्या के विचारों से निपटने में सहायक हो सकता है।

आर्थिक शिक्षा और करियर समर्थन

आर्थिक तनाव को कम करने के लिए वित्तीय शिक्षा और करियर परामर्श आवश्यक है। यह पुरुषों को करियर में बेहतर निर्णय लेने और आर्थिक समस्याओं से निपटने में मदद करेगा। सुसाइड के बढ़ते मामलों को रोकने के लिए समाज को पुरुषों के प्रति अपनी सोच और अपेक्षाओं में बदलाव लाना होगा। मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ानी होगी और भावनात्मक समर्थन की आवश्यकता को समझना होगा। समाज को एक ऐसा वातावरण बनाना होगा जहाँ पुरुषों को अपनी भावनाओं को साझा करने और मानसिक रूप से स्वस्थ रहने का अवसर मिले।

गणेश विसर्जन के दिन घर पर बनाएं बेसन के लड्डू, जानें रेसिपी

गणेश महोत्सव की शुरुआत हो चुकी है। सभी घरों में गणेशजी की पूजा–आराधना के साथ उन्हें उनके कुछ प्रिय चीजों का भोग जरुर लगाएं। बता दें कि गणेश महोत्सव का जश्न लगभग 11 दिनों तक मनाया जाता है। इसकी शुरुआत गणेश चतुर्थी से होती है। गणेश चतुर्थी का पर्व महाराष्ट्र और कई राज्यों में काफी धूम से मनाया जाता है। गणेशजी की पूजा के साथ ही उनको भोग लगाना काफी जरुरी है। वैसे तो बप्पा को मोदक सबसे प्रिय है लेकिन उनको लड्डू भी काफी पसंद है। गणेश विसर्जन के दिन आप घर में बेसन के लड्डू बना सकते हैं। आइए जानते हैं बेसन के लड्डू बनाने की रेसिपी।

बेसन के लड्डू बनाने की सामग्री

–बेसन – 2 कप

– घी – 1 कप

– पिसी हुई चीनी – 1 कप

–इलायची पाउडर – 1/2 छोटी चम्मच

– बारीक कटे हुए मेवे –बादाम, काजू, पिस्ता

बेसन के लड्डू बनाने की विधि

– सबसे पहले आप एक कड़ाही में घी डालें और उसे धीमी आंच पर गर्म करें। जब घी के गर्म हो जाए तब उसमें बेसन डालें और धीमी गैस पर लगातार चलाते हुए भूनें।

– जब बेसन सुनहरा भूना हो जाए और उसमें से हल्की भीनी खुशबू आने लगे, तो आपको बेसन भुन गया है।

– बेसन के भुन के बाद आप इसमें कटे हुए मेवे मिलाएं और कुछ मिनट तक भूने ताकि मेवे भी हल्के से पक जाएं। अब बेसन को आंच से हटाकर ठंडा होने दें।

– ठंडा होने के बाद इसमें पिसी हुई चीनी और इलायची पाउडर डालें।

– अच्छे से मिलाने के बाद मिश्रण को एक साथ मिक्स कर लें। फिर इस मिश्रण को हाथ में थोड़ा– थोड़ा हाथ में लेकर गोल लड्डू को आकार दें। अगर आपको मिश्रण सूखा लगे तो थोड़ा और घी मिला सकते हैं और आप इस तरह से लड्डुओं को तैयार करें।

संक्षिप्त

मंदी के बीच सैमसंग इंडिया ने कर्मचारियों की छंटनी की, कंपनी ने कई बड़े अधिकारियों को हटाया

सैमसंग अपने भारतीय परिचालन में विभिन्न विभागों में 200 से अधिक कार्यकारी पदों पर छंटनी करने की योजना बना रहा है। यह निर्णय देश में व्यापार वृद्धि में मंदी के कारण लिया गया है, जो कमजोर उपभोक्ता मांग के कारण है, जिससे बिक्री प्रभावित हुई है। इकोनॉमिक टाइम्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, यह जानकारी उद्योग जगत के चार वरिष्ठ लोगों द्वारा साझा की गई। रिपोर्ट के अनुसार, छंटनी का असर सैमसंग के मोबाइल फोन, उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स, घरेलू उपकरण और सहायता प्रभाग पर पड़ेगा, जो इसके कुल प्रबंधकीय कर्मचारियों का लगभग 9–10 प्रतिशत होगा। जिन कर्मचारियों को निकाला जा रहा है, उन्हें उनके अनुबंध के अनुसार तीन महीने का वेतन दिया जा रहा है, साथ ही एक विच्छेद पैकेज भी दिया जा रहा है, जिसमें कंपनी में काम करने वाले प्रत्येक वर्ष के लिए एक महीने का वेतन शामिल है। रिपोर्ट के अनुसार, एक प्रतिस्पर्धी घरेलू उपकरण कंपनी के सीईओ ने बताया कि उन्हें सैमसंग इंडिया के अधिकारियों से नई नौकरी की तलाश में ष्बेताब कॉलष और बायोडाटा प्राप्त हो रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि नौकरी से निकाले गए कुछ कर्मचारी वरिष्ठ अधिकारी हैं, जिनमें से कई काफी कम वेतन पर भी काम करने को तैयार हैं।

सैमसंग इंडिया के कर्मचारियों की हड़ताल

इस बीच, सैमसंग के चेन्नई कारखाने के कर्मचारी अनिश्चितकालीन हड़ताल के तीसरे दिन भी हैं, जिससे त्यौहारी सीजन से ठीक पहले टेलीविजन, रेफ्रिजरेटर और वाशिंग मशीन का उत्पादन बाधित हो रहा है। रॉयटर्स के अनुसार, हड़ताल के बावजूद सैमसंग फैक्ट्री को चालू रखने की कोशिश कर रहा है, लेकिन उत्पादन सामान्य क्षमता के लगभग 50–80 प्रतिशत तक गिर गया है। छंटनी के साथ–साथ, सैमसंग कथित तौर पर भारत में अपने परिचालन के पुनर्गठन पर भी विचार कर रहा है। इसमें टेलीविजन और घरेलू उपकरणों जैसे व्यावसायिक प्रभागों का विलय शामिल हो सकता है, जिससे संभावित रूप से अधिक नौकरियों में कटौती हो सकती है। पुनर्गठन का लक्ष्य प्रबंधन स्तर, कार्यबल और ऊपरी लागत को कम करके परिचालन को सुव्यवस्थित करना है। इन बदलावों पर अंतिम निर्णय दिवाली के बाद होने की उम्मीद है।

दिल्ली में प्याज की औसत कीमत 58 रुपये प्रति किलोग्राम, सरकारी आंकड़ों से सामने आई जानकारी

राष्ट्रीय राजधानी में प्याज की औसत कीमत सीमित आपूर्ति के कारण 58 रुपये प्रति किलोग्राम पर बनी हुई है। मंगलवार को प्याज का अखिल भारतीय औसत मूल्य 49.98 रुपये प्रति किलोग्राम है, जबकि मॉडल मूल्य 50 रुपये प्रति किलोग्राम है। उपभोक्ता मामले विभाग के आंकड़ों से ये जानकारी मिली है। बता दें कि बाजार में प्याज का अधिकतम मूल्य 80 रुपये प्रति किलोग्राम और न्यूनतम मूल्य 27 रुपये प्रति किलोग्राम है। वहीं 5 सितंबर को केंद्र सरकार ने दिल्ली–एनसीआर और मुंबई के उपभोक्ताओं को बढ़ती कीमतों से राहत देने के लिए खास पहल की शुरुआत की थी। इसके तहत दिल्ली एनसीआर और मुंबई में 35 रुपये प्रति किलोग्राम की रियायती दर पर प्याज की खुदरा बिक्री की शुरुआत की गई थी। ये पहले चरण के तहत शुरू किया गया था। एनसीसीएफ और नैफेड, जो सरकार की ओर से 4.7 लाख टन प्याज का बफर स्टॉक बनाए हुए हैं, ने अपने स्टोर और मोबाइल वैन के माध्यम से खुदरा बिक्री शुरू कर दी है। पिछले सप्ताह उपभोक्ता मामलों की सचिव निधि खरे ने कहा था कि आने वाले महीनों में प्याज की उपलब्धता और कीमतों का पूर्वानुमान सकारात्मक बना हुआ है, क्योंकि खरीफ (ग्रीष्म) में प्याज की बुवाई का रकबा पिछले महीने तक तेजी से बढ़कर 2.9 लाख हेक्टेयर हो गया है, जबकि एक साल पहले इसी अवधि में यह रकबा 1.94 लाख हेक्टेयर था। उन्होंने कहा कि इसके अलावा, बताया गया है कि लगभग 38 लाख टन प्याज अभी भी किसानों और व्यापारियों के पास भंडारण में है। विभाग देश भर में फैले 550 बाजार केंद्रों से एकत्र आंकड़ों के आधार पर 22 आवश्यक वस्तुओं (चावल, गेहूं, आटा, चना दाल, अरहर दाल, उड़द दाल, मूंग दाल, मसूर दाल, चीनी, गुड़, मूंगफली तेल, सरसों तेल, वनस्पति, सूरजमुखी तेल, सोया तेल, पाम तेल, चाय, दूध, आलू, प्याज, टमाटर और नमक) की कीमत की निगरानी कर रहा है। वहीं 1 अगस्त से सरकार ने 16 और आवश्यक खाद्य वस्तुओं के दैनिक थोक और खुदरा मूल्यों का संग्रह और निगरानी शुरू कर दी है।

टाटा मोटर्स का शेयर प्राइस में आई गिरावट, इस कारण गिर गया कंपनी का स्टॉक

टाटा मोटर्स ने अपनी गाड़ियों पर डिस्काउंट का ऐलान बुधवार को किया है। इस फैसले के आते ही कारोबारी सत्र में टाटा मोटर्स के स्टॉक में छह प्रतिशत से अधिक की गिरावट देखने को मिली है। टाटा मोटर्स की गाड़ियों जिसमें इलेक्ट्रिक व्हीकल्स और अन्य गाड़ियां भी शामिल है, इन पर कंपनी ने डिस्काउंट का ऐलान किया है। इसके बाद कंपनी के शेयरों में छह प्रतिशत से अधिक की गिरावट के साथ 975 रुपये के लेवल तक जा लुढ़क गया है। वहीं इसके साथ ही टाटा मोटर्स के स्टॉक बेचने की सलाह भी विदेशी ब्रोकरेज हाउस यूबीएस ने दी है। यूबीएस द्वारा दी गई रिपोर्ट से पता चला है कि निवेशकों को टाटा मोटर्स के स्टॉक बेचने की सलाह दी गई है। ब्रोकरेज हाउस से मिली जानकारी के मुताबिक स्टॉक की कीमतों में अभी और भी गिरावट देखने को मिल सकती है। बाजार के माहौल को देखते हुए स्टॉक की कीमत 825 रुपये तक जा सकती है। बता दें कि इसी वर्ष 30 जुलाई को टाटा मोटर्स के शेयर 1179 रुपये के सर्वकालिक ऊंचे स्तर पर पहुंचे थे। इसके बाद से अबतक शेयरों में 17 फीसदी की गिरावट आ चुकी है। हालांकि बीते पांच वर्षों के आंकड़ों पर गौर करें तो टाटा मोटर्स के स्टॉक ने 630 फीसदी और दो साल में 120 फीसदी का रिटर्न दिया है।

टेस्ट रैंकिंग में हिटमैन का जलवा, शीर्ष पांच में हुई वापसी, कोहली–जायसवाल इस स्थान पर पहुंचे

नई दिल्ली। भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा की टेस्ट रैंकिंग में शीर्ष पांच में वापसी हो गई है। बुधवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) की तरफ से जारी की गई टेस्ट रैंकिंग में हिटमैन ने शीर्ष पांच मे सितंबर 2021 के बाद वापसी की है। वहीं, विराट कोहली और यशस्वी जायसवाल को भी फायदा हुआ है। दोनों क्रमशरू छठे और सातवें स्थान पर पहुंच गए हैं। तीनों भारतीय बल्लेबाज भारत बनाम बांग्लादेश सीरीज में अच्छे प्रदर्शन से अपनी रेटिंग में सुधार करना चाहेंगे।

रोहित, यशस्वी और विराट को हुआ फायदा

भारत ने इस साल इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेली थी। इस दौरान रोहित शर्मा और यशस्वी जायसवाल ने दमदार प्रदर्शन किया था। दोनों जबरदस्त फॉर्म में थे। युवा बल्लेबाज ने इस सीरीज में दो शतक और तीन अर्धशतकों की मदद से 712 रन बनाए थे। वहीं, भारतीय कप्तान ने भी दो शतक लगाकर 400 रन बनाए थे। हालांकि, विराट कोहली इस सीरीज में नहीं खेले थे।

रूट शीर्ष पर बरकरार, रेटिंग में आई कमी

आईसीसी की ताजा टेस्ट रैंकिंग में श्रीलंकाई बल्लेबाजों को भी फायदा मिला है। हाल ही में इंग्लैंड और श्रीलंका के बीच तीन मैचों की टेस्ट सीरीज खेली गई थी, जिसमें श्रीलंका ने ओली पोप की अगुआई वाली टीम को हराया दिया। इस बीच जो रूट टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर बने हुए हैं, लेकिन श्रीलंका के खिलाफ तीसरे और अंतिम टेस्ट में दो बार विफल होने के बाद इंग्लैंड के पूर्व कप्तान की रेटिंग में कमी आई है। अब उनके 922 अंक से 899 अंक हो गए हैं। इससे दूसरे स्थान पर मौजूद न्यूजीलैंड के दिग्गज बल्लेबाज केन विलियमसन (859) की टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में नंबर एक बल्लेबाज बनने की राह आसान हो गई है। पाकिस्तान के दिग्गज बल्लेबाज बाबर आजम शीर्ष 10 से बाहर बने हुए हैं, जबकि विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान नौवें स्थान के साथ देश के सर्वोच्च रैंकिंग वाले बल्लेबाज बने हुए हैं।

धनंजय, मेंडिस और निसांका को हुआ फायदा

श्रीलंका के लिए कप्तान धनंजय डी सिल्वा, मध्यक्रम के बल्लेबाज कामिंदु मेंडिस और सलामी बल्लेबाज पथुम निसांका ने इंग्लैंड में दमदार प्रदर्शन किया था। टेस्ट की पहली पारी में श्रीलंका के शीर्ष स्कोरर रहे डी सिल्वा ने 69 रन की पारी खेली थी। इस पारी की बदौलत दाएं हाथ के बल्लेबाज अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ रेटिंग के साथ टेस्ट बल्लेबाजों की रैंकिंग में तीन स्थान के फायदे से 13वें स्थान पर पहुंच गए। अब वह अपनी टीम के लिए बल्लेबाजों की सूची में शीर्ष खिलाड़ी हैं। मेंडिस और निसांका ने भी टेस्ट बल्लेबाजों की सूची में अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ रेटिंग हासिल की है। इंग्लैंड के खिलाफ अर्धशतकीय पारी खेलने के बाद मेंडिस छह स्थान की छलांग लगाकर 19वें स्थान पर पहुंच गए हैं। वहीं, निसांका 64 और नाबाद 127 रन की पारी खेलने के बाद 42 स्थान की लंबी छलांग लगाकर 39वें स्थान पर पहुंच गए।

युजवेंद्र चहल ने काउंटी क्रिकेट में कमाल जारी, पांच विकेट झटकर लगाई क्रिकेट में स्पेशल सेंचुरी

युजवेंद्र चहल ने इंग्लिश काउंटी चौम्पियनशिप के डिवीजन दो मैच में डर्बीशर के खिलाफ नॉर्थम्पटनशर के लिए 45 रन देकर पांच विकेट लिए। भारत के सीमित ओवर प्रारूप के विशेषज्ञ गेंदबाज ने इस दौरान प्रथम श्रेणी क्रिकेट में अपने 100 विकेट पूरे कर लिए हैं।

भारत के लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल ने इंग्लिश काउंटी चौम्पियनशिप के डिवीजन दो मैच में डर्बीशर के खिलाफ नॉर्थम्पटनशर के लिए 45 रन देकर पांच विकेट लिए। भारत के सीमित ओवर प्रारूप के विशेषज्ञ गेंदबाज ने इस दौरान प्रथम श्रेणी क्रिकेट में अपने 100 विकेट पूरे कर लिए हैं। चहल ने तीसरी बार प्रथम श्रेणी क्रिकेट में पांच विकेट चटकाये हैं। वहीं चहल के लिए काउंटी क्रिकेट का यह सत्र शानदार रहा है। युजवेंद्र चहल ने पिछले महीने वनडे कप में केंट के खिलाफ 14 रन देकर पांच विकेट लिये थे। नॉर्थम्पटनशर ने मौजूदा मैच की पहली पारी में 219 रन बनाने के बाद चहल और रॉब केओघ (65 रन पर तीन विकेट) की शानदार गेंदबाजी से डर्बीशर को 61.3 ओवर में 165 रन पर आउट कर दिया। चहल ने इस दौरान वेन मैडसेन, एन्यूरिन डोनाल्ड, जैक चौपल, एलेक्स थॉमसन और जैक मॉर्ले के विकेट चटकाये।

हालांकि, चहल की टीम के साथी पृथ्वी शॉ का खराब प्रदर्शन जारी है। उन्होंने मैच की दोनों पारियों में महज 4 और 2 रन ही बनाए हैं। पृथ्वी शॉ अपनी पिछली तीन प्रथम श्रेणी पारियों में भी 50 का आंकड़ा पार करने में असफल रहे हैं। वहीं चहल ने पिछले महीने वनडे कप में पूर्व काउंटी केंट स्पिटफायर्स के खिलाफ भी पांच विकेट झटके थे। उन्होंने केंट के बल्लेबाजी लाइन अप को पस्त कर दिया। साथ ही चहल ने अपने 10 ओवर में 14 रन देकर पांच विकेट अपने नाम किए। चहल ने जेडिन डेनली (22), एकांश सिंह (10), ग्रांट स्टेवार्ट (1), बेयर्स स्वानेपोएल (01) और नाथन गिलक्रिस्ट (06) के विकेट चटकाए हैं। केंट 35.1 ओवर में 82 रन पर सिमट गई थी। जिसके बाद नार्थम्पटनशर ने 9 विकेट से जीत हासिल की।

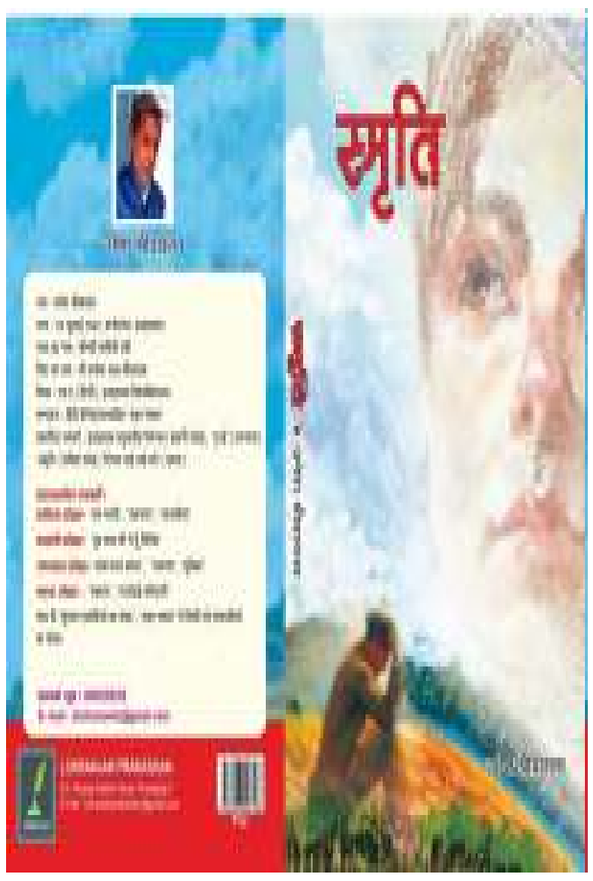

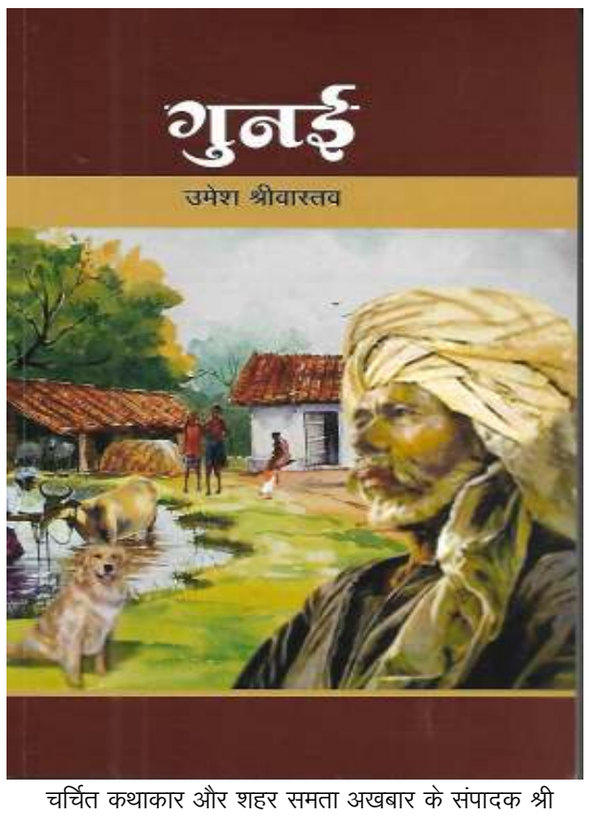

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित उपन्यास गुनई अमेजन पर उपलब्ध हो गया है। पुस्तक

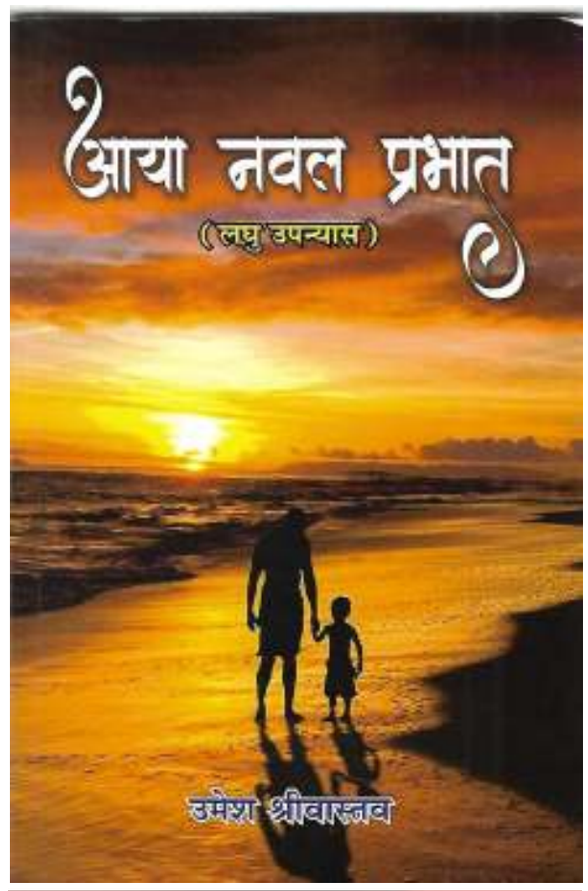

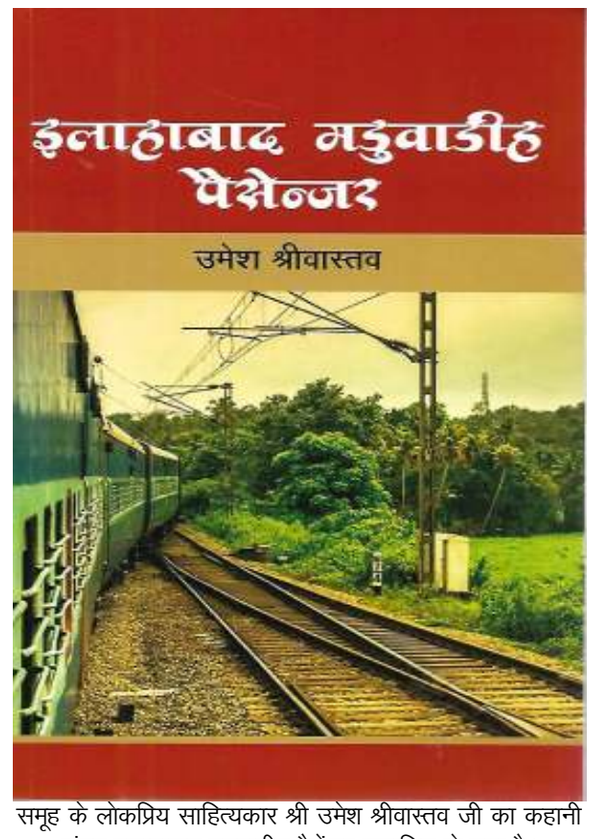

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना। पुस्तक अमेजन पर उपलब्ध है।

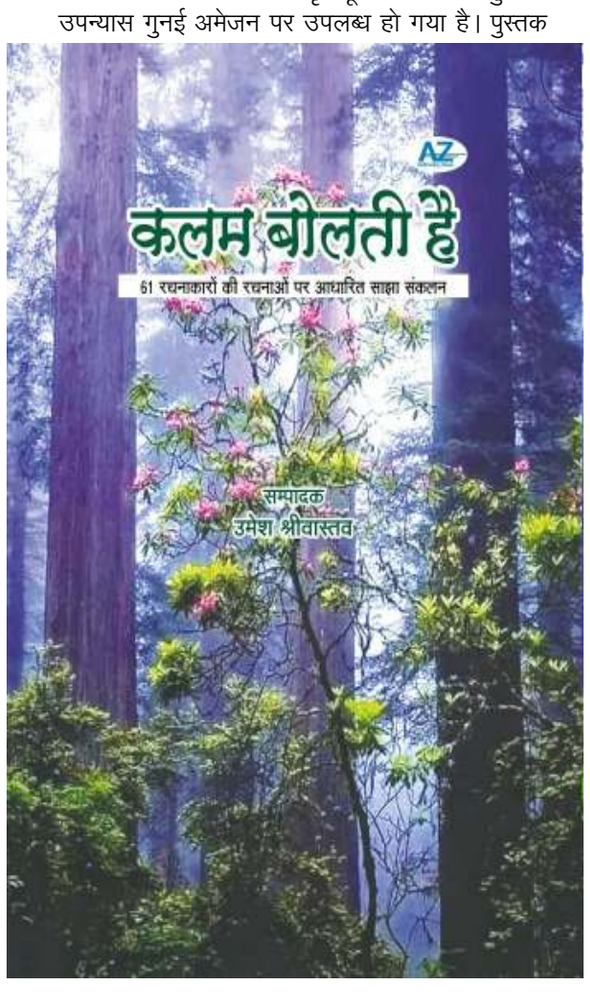

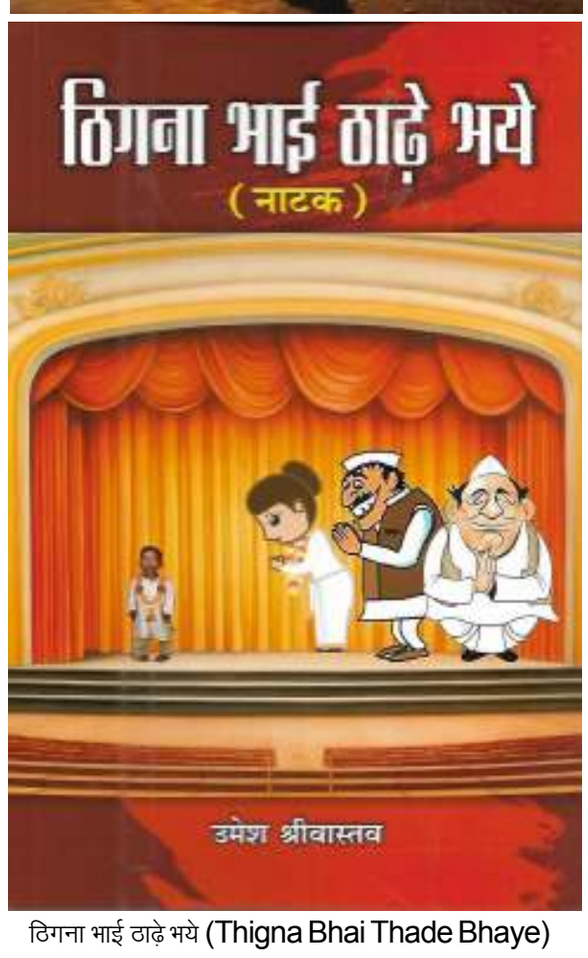

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

पाकिस्तान में कांपी धरती, भारत में भी महसूस किए गए झटके

पाकिस्तान और अफगानिस्तान में भूकंप के झटके महसूस किए गए। नेटिज़ेंस ने दावा किया कि उन्होंने पाकिस्तान में पेशावर, इस्लामाबाद और लाहौर और भारत में नई दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, जम्मू और कश्मीर में झटके महसूस किए। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के मुताबिक, पाकिस्तान में बुधवार दोपहर 12रू58 बजे 5.8 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप के झटके पंजाब और खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के हिस्से में महसूस किए गए। किसी के हताहत होने और घायल होने की सूचना नहीं है। पाकिस्तान में 5.8 तीव्रता के भूकंप के बाद दिल्ली–एनसीआर में झटके महसूस किए गए। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी ने कहा कि आज (11 सितंबर) दोपहर 12रू58 बजे पाकिस्तान में 5.8 तीव्रता का भूकंप आने के बाद दिल्ली और आसपास के क्षेत्र में झटके महसूस किए गए। इसमें कहा गया है कि भूकंप का केंद्र पंजाब में अमृतसर से 415 किलोमीटर पश्चिम में था। दो सप्ताह के भीतर दिल्ली और इसके आसपास के इलाकों में हल्के झटके आने की यह दूसरी घटना है। 29 अगस्त को अफगानिस्तान में 5.7 तीव्रता का भूकंप आया, जो पृथ्वी की सतह से 255 किलोमीटर नीचे आया। सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो में छत के पंखे, कुर्सियाँ और अन्य वस्तुएँ झटके के दौरान थोड़ी देर के लिए हिलती हुई दिखाई दे रही हैं।

कीव पहुंचे अमेरिका और यूके के विदेश मंत्री, यूक्रेन ने की रूस पर मिसाइल से हमला करने की तैयारी

कीव। रूस–यूक्रेन युद्ध के बीच अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन और यूके के विदेश मंत्री डेविड लैमी संयुक्त यात्रा पर कीव पहुंचे। उधर, यूक्रेन ने रूस पर मिसाइल हमला करने की तैयारी की है। इसके लिए यूक्रेन लगातार पश्चिमी देशों पर दबाव बना रहा है। अमेरिका में राष्ट्रपति पद उम्मीदवार कमला हैरिस और डोनाल्ड ट्रंप के बीच हुई बहस के बाद अमेरिकी विदेश मंत्री ट्रेन से कीन पहुंचे। उन्होंने ईरान पर मॉस्को को छोटी दूरी की बैलास्टिक मिसाइल देनें का आरोप लगाया। साथ ही इसे युद्ध का नाटकीय विस्तार करार दिया। दरअसल, पिछले काफी समय से यूक्रेन पश्चिमी देशों से लंबी

दूरी के हथियारों के इस्तेमाल की अनुमति मांग रहा है। अब जब रूस को ईरान से हथियार मिलने की बात सामने आई है तो साफ है कि यूक्रेन इस मामले में दबाव डालेगा। यूक्रेन के प्रधानमंत्री डेनिस शम्यहाल ने कहा कि अगर हमें दुश्मन के सैन्य ठिकानों और हथियारों को नष्ट करने की अनुमति मिलती है तो यह हमारे देश के लोगों, बच्चों की सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण होगा। रूस यूक्रेन पर हमला करने के लिए लगातार अपने आतंकवादी सहयोगियों के हथियारों का इस्तेमाल कर रहा है। हमें इन हमलों का जवाब देने की अनुमति दी जाए।

रूस–यूक्रेन युद्ध को बीते दो साल

रूस–यूक्रेन युद्ध के दो साल पूरे हो चुके हैं। 24 फरवरी 2022 को इन दो देशों के बीच संघर्ष शुरू हुआ था जो अभी तक जारी है। दो साल की लड़ाई में दोनों देशों में बहुत कुछ बदल चुका है। इस युद्ध ने हजारों लोगों की जान ले ली, लाखों लोग विस्थापित हुए, परिवारों और समुदायों को तोड़ दिया और अर्थव्यवस्था को तबाह कर दिया। यह खूनी जंग रुकेगी, इसके भी कोई संकेत नहीं हैं। युद्ध की शुरुआत से रूस पर पाबंदियों का दौर जारी है। इसके बाद भी रूस अपने कदम पीछे करने को तैयार नहीं है।

रूस-यूक्रेन को करनी ही होगी बात, बर्लिन से एस जयशंकर का सीधा संदेश, चाहे तो भारत सलाह देने के लिए तैयार

विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने बर्लिन में जर्मन विदेश मंत्री एनालेना बेयरबॉक के साथ प्रेस को संबोधित किया। इस दौरान भारतीय विदेश मंत्री ने सवालों का जवाब देते हुए कहा कि रूस और यूक्रेन को बातचीत करनी ही होगी और यदि वे चाहते हैं तो भारत सलाह देने के लिए तैयार है। जयशंकर ने कहा कि हमने पीएम मोदी की हालिया यूक्रेन यात्रा पर चर्चा की। हमने पश्चिम एशिया/मध्य पूर्व की स्थिति, विशेष रूप से गाजा संघर्ष और इसके प्रभावों के बारे में बात की है। मैंने यूरोपीय संघ के साथ हमारे सहयोग पर संक्षेप में चर्चा की। हमें नहीं लगता है कि इस संघर्ष का युद्ध के मैदान में हल होने वाला है। कहीं न कहीं, कुछ बातचीत तो होगी ही। जब कोई बातचीत होगी, तो मुख्य पक्षों रूस और यूक्रेन को उस बातचीत में शामिल होना ही होगा। एस जयशंकर ने कहा कि आने वाले आयोग के साथ, हम एफटीए और अन्य समझौतों पर तेजी से आगे बढ़ने की उम्मीद करते हैं और हम इसके लिए जर्मनी के समर्थन पर भरोसा करते हैं। साथ ही, हम व्यापार और प्रौद्योगिकी परिषद की शीघ्र बैठक आयोजित करना चाहेंगे। रक्षा और सुरक्षा में भी हमारी बातचीत बढ़ी है। हमने इस वर्ष पहला हवाई अभ्यास आयोजित किया। और हमें उम्मीद है कि हम अगले महीने गोवा में आपके नौसैनिक जहाजों का स्वागत करेंगे। हमारी नीति और अन्य आदान–प्रदान परस्पर लाभकारी रहे हैं। और हम यह पता लगाना चाहेंगे कि हमारे रक्षा उद्योग कैसे अधिक निकटता से सहयोग कर सकते हैं। एक दिन पहले उन्होंने सऊदी अरब की राजधानी में भारत–खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) के विदेश मंत्रियों की बैठक से इतर अपने रूसी समकक्ष सर्गेई लावरोव के साथ सार्थक वार्ता की थी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की रूस एवं यूक्रेन यात्राओं का स्मरण करते हुए उन्होंने कहा कि भारतीय नेता ने मास्को और कीव में कहा है कि यह युद्ध का युग नहीं है।

डिबेट के बाद टेलर स्विफ्ट ने राष्ट्रपति पद के लिए कमला हैरिस का किया समर्थन, कहा- मैंने चुनाव कर लिया...

वॉशिंगटन। अमेरिका में पांच नवंबर को राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव होने हैं। ऐसे में, रिपब्लिकन की ओर से डोनाल्ड ट्रंप और डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से कमला हैरिस मैदान में हैं। दोनों का समर्थन करने वाले लगातार सामने आ रहे हैं। अब इस कड़ी में गायिका टेलर स्विफ्ट का नाम भी जुड़ गया है। स्विफ्ट ने प्रेसिडेंशियल डिबेट होने के तुरंत बाद बुधवार सुबह एलान कर दिया कि वह उपराष्ट्रपति को अपना समर्थन देंगी।

बिल्ली के साथ तस्वीर की साझा

टेलर स्विफ्ट ने सोशल मीडिया मंच इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट कर अपने समर्थन की घोषणा की। उन्होंने कहा कि वह पांच नवंबर को होने वाले चुनाव में उपराष्ट्रपति कमला हैरिस को वोट देंगी। उन्होंने अपनी एक तस्वीर भी साझा की है, जिसमें वह एक बिल्ली के साथ हैं। उन्होंने कैप्शन के अंत में खुद को चाइल्डलैस कैट लेडी यानी बिना बच्चों वाली महिला बताया।

क्या है मामला?

दरअसल, डोनाल्ड ट्रंप के रनिंग मेट जेडी वैंस ने बिना बच्चों वाली महिलाओं पर निशाना साधा था। उन्होंने कहा था कि ऐसे लोगों को वोट न दें, जिनके बच्चे न हों। इन लोगों का भविष्य में कोई योगदान नहीं होगा। ऐसे में जब टेलर स्विफ्ट ने सोशल मीडिया मंच इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट कर अपने समर्थन की घोषणा की तो उन्होंने खुद को चाइल्डलैस कैट लेडी यानी बिना बच्चों वाली महिला बताया।

क्या बोले टिम वॉल्ज?

हैरिस के रनिंग मेट यानी उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार

टिम वॉल्ज ने टेलर स्विफ्ट के समर्थन पर खुशी जताई। वॉल्ज ने कहा, मैं उनका बहुत आभारी हूं।

मैंने भी आज बहस देखी

अमेरिकन गायिका टेलर स्विफ्ट ने कहा, आप में से कई लोगों की तरह मैंने भी आज बहस देखी। अगर आपने अभी तक नहीं देखी है, तो अब उन मुद्दों पर रिसर्च करने का एक अच्छा समय है जो आपके लिए सबसे अधिक मायने रखते हैं। एक मतदाता के तौर पर, मैं इस बात का ध्यान रखती हूं कि मैं इस देश के लिए उनकी प्रस्तावित नीतियों और योजनाओं के बारे में जितना हो सके उतना देखूं और पढ़ूं।

ट्रंप के समर्थन करने वालों पर बोला हमला

उन्होंने आगे कहा, श्हाल ही में मुझे पता चला था कि डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति पद के लिए दौड़ का गलत तरीके से समर्थन करने वाले 'मेरे' एआई को उनकी साइट पर पोस्ट किया गया था। इस पोस्ट से वाकई एआई के प्रति मेरे डर और गलत सूचना फैलाने के खतरों को जगा दिया। मैं इससे इस फैसले पर आई की मुझे एक मतदाता के रूप में इस चुनाव के लिए अपनी वास्तविक योजनाओं के बारे में बहुत पारदर्शी होने की आवश्यकता है। गलत सूचना से निपटने का सबसे सरल तरीका सच्चाई है।श गायिका स्विफ्ट ने कहा, मैं 2024 के राष्ट्रपति चुनाव में कमला हैरिस और टिम वॉल्ज को अपना वोट दूंगी। मैं कमला हैरिस को वोट दे रही हूं क्योंकि वह अधिकारों और कारणों के लिए लड़ती हैं, मुझे लगता है कि उन्हें आगे बढ़ाने के लिए एक योद्धा की जरूरत है। मुझे लगता है कि वह एक स्थिर और प्रतिभाशाली नेता हैं। मेरा मानना है कि अगर हम शांति से आगे बढ़ें और अराजकता से नहीं, तो हम इस देश में बहुत कुछ हासिल कर सकते हैं। मैं उनके साथी वॉल्ज के चयन से बहुत खुश और प्रभावित हुई, जो दशकों से एलजीबीटीक्यू प्लसके अधिकारों, आईवीएफ और एक महिला के अपने शरीर के अधिकार के लिए खड़े हैं।

मैंने अपनी पसंद का चुनाव कर लियाः स्विफ्ट

उन्होंने कहा, 'मैंने पूरी जांच पड़ताल की है। मैंने अपनी पसंद का चुनाव कर लिया है। आपको अपनी जानकारी खुद जुटानी है और फिर चुनाव करना है। मैं विशेष रूप से पहली बार मतदाताओं से यह भी कहना चाहती हूं कि याद रखें कि मतदान करने के लिए, आपको पंजीकृत होना होगा। मुझे यह भी लगता है कि जल्दी मतदान करना बहुत आसान है। मैं अपनी कहानी में शुरुआती मतदान तिथियों और जानकारी को पंजीकृत करने और खोजने के लिए लिंक करूंगी।'

मुइज्जू की भारत यात्रा से पहले मालदीव में मचा हड़कंप, मोदी पर कमेंट करने वाले दो मंत्रियों का हुआ इस्तीफा

चीन समर्थक माने जाने वाले मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू भारत की यात्रा पर आने वाले हैं। लेकिन उनकी भारत यात्रा से पहले दो मंत्रियों का इस्तीफा हो गया है। इन दोनों मंत्रियों ने पीएम मोदी पर कमेंट किए थे। राष्ट्रपति कार्यालय की मुख्य प्रवक्ता हीना वलीद ने कहा कि राष्ट्रपति का जल्द ही भारत जाने का कार्यक्रम है। जैसा कि आप जानते हैं, ऐसी यात्राएं ऐसे समय निर्धारित की जाती हैं, जो दोनों देशों के नेताओं के लिए अधिकतम सुविधाजनक हो। इस संबंध में चर्चा जारी है।

मत्रियों को पहले ही निलंबित कर दिया गया

मुइज्जू की यात्रा द्विपक्षीय संबंधों में आई हालिया नरमी के बाद होगी। मुइज्जू इस साल जून में अपने तीसरे कार्यकाल के लिए पीएम नरेंद्र मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल

हुए थे और विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पिछले महीने माले का दौरा किया था। चीन समर्थक माने जाने वाले मुइज्जू के राष्ट्रपति के रूप में पिछले साल द्वीपसमूह देश से भारतीय सैन्य कर्मियों की तत्काल वापसी की मांग करने के फैसले से रिश्ते के पटरी से उतरने का खतरा पैदा हो गया था, लेकिन जब से भारत ने सैन्य कर्मचारियों की जगह हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के नागरिक कर्मचारियों को नियुक्त किया है तब से चीजें बेहतर हो गई हैं। राष्ट्रपति कार्यालय की मुख्य प्रवक्ता हीना वलीद ने मुइज्जू की यात्रा की घोषणा उस दिन की जब जनवरी में पीएम नरेंद्र मोदी के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणियों के लिए निलंबित किए गए दो कनिष्ठ मंत्रियों ने सरकार से इस्तीफा दे दिया। सन ऑनलाइन समाचार पोर्टल की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने कहा कि हालांकि यात्रा की सटीक तारीख अभी तय नहीं हुई है, दोनों पक्ष एक तारीख पर चर्चा कर रहे हैं, जो दोनों देशों के नेताओं के लिए सुविधाजनक है।

पीएम मोदी के शपथ ग्रहण में हुए थे शामिल

चीन समर्थक रुख के लिए जाने जाने वाले मुइज्जू ने प्रधानमंत्री मोदी के शपथग्रहण समारोह में भाग लेने के लिए 9 जून को नयी दिल्ली की यात्रा की थी। पद संभालने के बाद सबसे पहले नयी दिल्ली की यात्रा करने वाले अपने पूर्ववर्तियों के विपरीत मुइज्जू ने सबसे पहले तुर्किये की यात्रा की और जनवरी में अपनी पहली आधिकारिक यात्रा पर चीन पहुंचे थे। मोदी के शपथग्रहण समारोह में भारत के पड़ोसी और हिंद महासागर क्षेत्र के देशों के प्रमुख शामिल हुए थे। मुइज्जू ने तब कहा था कि उन्हें प्रधानमंत्री मोदी का निमंत्रण पाकर और उनके शपथग्रहण में शामिल होकर खुशी हुई।

राहुल गांधी की सिखों को लेकर की गई टिप्पणी से खुश हुआ पन्नू, कहा– खालिस्तानी स्टेट की मांग को समर्थन जैसा

आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नून ने कहा कि कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की भारत में एक सिख को पगड़ी या कड़ा पहनने की अनुमति होगी या नहीं, इस पर की गई श्साहसिक टिप्पणी एक अलग खालिस्तानी राज्य की मांग को उचित ठहराती है। जीनिया के हेरंडन में एक कार्यक्रम में बोलते हुए कांग्रेस नेता ने कहा कि भारत में लड़ाई इस बात को लेकर है कि क्या एक सिख को पगड़ी पहनने की इजाजत दी जाएगी। एक सिख को कड़ा पहनने या गुरुद्वारा जाने की लड़ाई है, यह सिर्फ सिखों के लिए नहीं है, बल्कि सभी धर्मों के लिए है। पन्नुन ने कहा कि भारत में सिखों के अस्तित्व के खतरे पर गांधी का बयान न केवल साहसिक और अग्रणी है, बल्कि 1947 के बाद से भारत में लगातार शासन के तहत सिखों को जो सामना करना पड़ रहा है, उसके तथ्यात्मक इतिहास पर भी दृढ़ता से आधारित है। उन्होंने कहा कि सिख मातृभूमि, खालिस्तान की स्थापना के लिए पंजाब स्वतंत्रता जनमत संग्रह के औचित्य पर एसएफजे (सिख फॉर जस्टिस) के रुख की भी पुष्टि करता है। सिख फॉर जस्टिस पन्नून द्वारा संचालित एक अमेरिकी–आधारित समूह है। गांधी के बयान से राजनीतिक तूफान खड़ा हो गया और भाजपा के शीर्ष नेताओं ने तीखी आलोचना की। मीडिया को संबोधित करते हुए, केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने टिप्पणियों को भयावह बताया और कहा कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार सिख समुदाय से संबंधित मुद्दों को संबोधित करने के लिए पने रास्ते से हट गई है। 1984 के सिख विरोधी दंगों का जिक्र करते हुए पुरी ने कहा अगर हमारे इतिहास में एक समय ऐसा रहा है जब एक समुदाय के रूप में हमने चिंता, असुरक्षा की भावना और अस्तित्व पर खतरा महसूस किया है, तो यह वह समय था जब राहुल गांधी का परिवार अंदर था।

भारतीय मूल के लेक्टरर को मिला सिंगापुर साहित्य सम्मान, `नाइन यार्ड साड़ी' को मिला पुरस्कार

सिंगापुर। भारतीय मूल के लेक्चरर ने अपनी अंग्रेजी फिक्शन के लिए सिंगापुर साहित्य पुरस्कार जीता। नानयांग टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी के लेक्चरर प्रशांति राम को नाइन यार्ड साड़ी के लिए यह पुरस्कार दिया गया। उनकी यह कहानी सिंगापुर, सिडनी, न्यूयॉर्क और कनेक्टिकट में फैले एक तमिल ब्राह्मण परिवार की पीढ़ियों के बारे में है। पुरस्कार जीतने के बाद प्रशांति राम ने कहा कि वह आश्चर्यचकित हैं। लेक्चरर प्रशांति राम ने कहा, ष्मैं आश्चर्यचकित हूं। मैं बहुत आभारी हूं कि जजों ने श्नाइन यार्ड साड़ीश में योग्यता देखी। मैंने यह यह कहानी अपने दिवंगत पिता की देखभाल करने के दौरान लिखी थी। उन्होंने आगे कहा, मुझे उम्मीद है कि अब ज्यादा ज्यादा लेखक लघु कथा के साथ नए–नए प्रयोग करेंगे। ऐसा इसलिए, क्योंकि इस प्रारूप के जरिए एक ही रचना में इतने सारे परिप्रेक्ष्यों और संदर्भों में गोता लगाने का मौका मिलता है। यह बहुत खुशी की बात है। मंगलवार को विक्टोरिया थिएटर में एक समारोह में कवि सिरिल वोंग के नेतृत्व में तीन सदस्यीय पैनल ने बताया कि प्रशांति राम की यह कहानी कुशल, आश्वस्त, कभी–कभी हास्यपूर्ण और प्रभावित करने वाला था। इसने प्रशांति को एक स्पष्ट दृष्टि वाला के तौर पर वर्णित किया है।

शुबिगी राव को मिला इंग्लिश क्रिएटिव नॉन फिक्शन के लिए पुरस्कार

इंग्लिश क्रिएटिव नॉन फिक्शनका पुरस्कार भारतीय मूल की कलाकार शुबिगी राव को मिला। उन्हें यह पुरस्कार उनकी श्पल्प प्प्रू एन इंटिमेट इन्वेंटरी ऑफ द बेनिश्ड बुकश (2022) के लिए दिया गया। शुबिगी राव ने अपनी जीत का श्रेय प्रतिभाशाली महिलाओं दिया। उन्होंने कहा कि सेंसरशिप, प्रतिबंध, जलाना और फंडिंग के हर कृत्य के साथ हम हद से ज्यादा गरीब हो गए। सर्वश्रेष्ठ अंग्रेजी डेब्यू का पुरस्कार 91 वर्षीय नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ़ सिंगापुर के एमेरिटस प्रोफेसर पीटर एलिंगर को मिला। उन्होंने यह पुरस्कार अपनी किताब डाउन मेमरी लेनरू पीटर एलिंगर्स मेमोइर के लिए जीता। इसी के साथ वह सिंगापुर साहित्य पुरस्कार जीतने वाले सबसे उम्रदराज विजेता बन गए। उनकी यह किताब उनके जीवन पर आधारित है। इसमें 20वीं सदी की कई महत्वपूर्ण घटनाओं का भी जिक्र है। बता दें कि कुल 17 लेखक, अनुवादकों और हास्य कलाकारों को सिंगापुर साहित्य पुरस्कार दिया गया। तमिल कविता के विजेताओं में मथिकुमार थायुमानवन द्वारा यमक्कोदंगी (2023), कनागलता के द्वारा फिक्शनरू चीनलक्षुमी (2022), अजगुनिला द्वारा क्रिएटिव नॉन–फिक्शनरू अप्पन (2023), और तमिलसेल्वी राजराजन द्वारा बेस्ट डेब्यूरू कात्रालालिल (2023) शामिल हैं।

79वें महासभा सत्र में रचा गया इतिहास, संयुक्त राष्ट्र के सदस्य देशों के बीच फलस्तीन को मिला स्थान

संयुक्त राष्ट्र में फलस्तीनी प्राधिकरण के दूत रियाद मंसूर ने मंगलवार की दोपहर में श्रीलंका और सूडान के बीच फलस्तीन राज्य के रूप में अपना स्थान ग्रहण किया। संयुक्त राष्ट्र में फलस्तीन के स्थायी मिशन ने मिस्र के राजदूत और महासभा के अध्यक्ष की तरफ से फलस्तीन राज्य की नई सीटिंग की पुष्टि की है। मिस्र के प्रतिनिधि ने राष्ट्रपति से यह पुष्टि करने के लिए एक मुद्दा उठाया कि आवश्यक व्यवस्थाएं कर ली गई हैं। मिस्र के राजदूत ओसामा महमूद अब्देलखलेक महमूद ने कहा, यह महज एक प्रक्रियागत मामला नहीं है। यह हमारे लिए एक ऐतिहासिक क्षण है। इस पर यूएनजीए अध्यक्ष ने उत्तर दिया कि मुझे सूचित किया गया है कि फलस्तीन को जहां बैठना चाहिए, वहां बैठाने के लिए सभी व्यवस्थाएं कर दी गई हैं।

इस्राइल ने किया विरोध, बताया राजनीतिक पक्षपात

हालांकि इस्राइल ने इस कदम की निंदा की है। इजरायल के प्रतिनिधि ने कहा कि इस मामले में विधानसभा का निर्णय राजनीतिक पक्षपात से प्रेरित है, उन्होंने रेखांकित किया कि संयुक्त राष्ट्र की सदस्यता और संबंधित विशेषाधिकार विशेष रूप से संप्रभु राज्यों के लिए आरक्षित हैं। बता दें कि इस साल 10 मई को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में फलस्तीन की संयुक्त राष्ट्र सदस्यता पर पुनर्विचार और पर्यवेक्षक का दर्जा रखने वाले फलस्तीन को अतिरिक्त अधिकार प्रदान करने के लिए एक प्रस्ताव अपनाया गया था। इस प्रस्ताव में फलस्तीन को महासभा के सत्रों, संयुक्त राष्ट्र की बैठकों और सम्मेलनों में भाग लेने की अनुमति देने की व्यवस्था करने का आह्वान किया गया था, जिसमें कहा किया गया था कि यह असाधारण आधार पर और बिना किसी मिसाल कायम किए किया जाएगा। इस प्रस्ताव को भारत समेत 143 मतों के साथ भारी बहुमत मिला था। इस बीच, कैमरून के पूर्व प्रधान मंत्री फिलेमोन यांग ने अपने पूर्ववर्ती डेनिस फ्रांसिस से पदभार ग्रहण किया। यांग ने कहा, मैं सभा से अपने दृढ़ संकल्प को तेज करने, गाजा पट्टी, हैती और यूक्रेन में कठिन संघर्षों समेत संघर्षों के समाधान को प्राथमिकता देने का आग्रह करूंगा।

अर्थव्यवस्था, गर्भपात कानून से लेकर आव्रजन तक, डोनाल्ड ट्रंप–कमला हैरिस के बीच तीखी बहस

दुनिया के तमाम देशों को अमेरिका में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव का बेसब्री से इंतजार है। वहीं इससे पहले राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप और कमला हैरिस के बीच प्रेसिडेंशियल डिबेट आयोजित किया गया। इस डिबेट की शुरुआत में कमला हैरिस और डोनाल्ड ट्रंप ने एक–दूसरे से हाथ मिलाया और अपना–अपना परिचय भी दिया। बता दें कि अमेरिका के इतिहास में पिछले आठ सालों से राष्ट्रपति पद के उम्मीदवारों की तरफ से हाथ नहीं मिलाया गया था।

ट्रंप पर हैरिस ने शुरू की आरोपों की बौछार

डिबेट की शुरुआत के बाद दोनों उम्मीदवारों की तरफ से एक दूसरे पर आरोप–प्रत्यारोप को दौर शुरू हुआ। इस दौरान डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार कमला हैरिस ने डोनाल्ड ट्रंप पर आरोप लगाया कि ट्रंप हमारे लिए सबसे खराब इकोनॉमी और लोकतंत्र छोड़कर गए थे। इस दौरान कमला हैरिस ने कहा कि वे एक मध्यम वर्ग परिवार से आती हैं ।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।